संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21,अंक -41 गुरुवार 12 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

फिर हंगामे की भेंट चढ़ी संसद की कार्यवाही

» नड्डा ने उठाया जॉर्ज सोरोस का मुद्दा,रिजिजू ने भी घेरा...

» जेपी नड्डा ने सदन में उठाया जॉर्ज सोरोस का मुद्दा...

» किरेन रिजिजू ने भी विपक्ष पर जमकर बोला हमला...

नई दिल्ली,11 दिसम्बर 2024(ए)। संसद का शीतकालीन सत्र पहले से ही अदाणी और सोरोस जैसे मुद्दों पर गर्माया हुआ था कि अब विपक्ष द्वारा राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के विरुद्ध लाए गए अविश्वास प्रस्ताव ने और आंच दे दी है।

विपक्ष जहां धनखड़ के विरुद्ध पूरी तरह एकजुट दिखा रहा है, वहीं सत्ता पक्ष मजबूती से सभापति के साथ खड़ा हो गया है। इस तकरार में मंगलवार को कुछ मिनट ही चली राज्यसभा की कार्यवाही में नेता सदन जेपी नड्डा ने अविश्वास प्रस्ताव को कांग्रेस-सोरोस संबंधों से देश का ध्यान भटकाने का कुत्सित प्रयास बताया तो संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसे किसान के बेटे और पीठ का अपमान बताते हुए विपक्षी सांसदों पर गंभीर टिप्पणी की कि आप लोग सदन के सदस्य होने के लायक नहीं हैं।

विपक्ष करता रहा नारेबाजी

विपक्ष पर संवैधानिक संस्थाओं और पीठ की गरिमा गिराने का आरोप लगाते हुए संसदीय कार्य मंत्री गंभीर टिप्पणी में विपक्षी सांसदों से कहा कि आप लोग सदन के सदस्य होने के लायक नहीं हैं। साथ ही कहा कि अगर विपक्ष चेयरमैन के खिलाफ कोई काम करेगा तो हम इसे कामयाब नहीं होने देंगे। इस बीच विपक्ष की ओर से अदाणी का नाम लेकर नारेबाजी की जाती रही और हंगामे के चलते पहले तो कार्यवाही शुरू होने के ठीक 13 मिनट बाद और फिर दूसरी बार मात्र चार मिनट बाद ही गुरुवार तक के लिए सदन स्थगित करना पड़ा।

जॉर्ज सोरोस का मुद्दा गूंजा

मंगलवार को राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने कहा कि सोनिया गांधी और जॉर्ज सोरोस का क्या संबंध है? यह देश की आंतरिक-बाह्य सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। हम दो दिन से इस पक्ष को रख रहे हैं, लेकिन इससे ध्यान भटकाने का कुत्सित प्रयास करते हुए विपक्ष ने पीठ पर आक्षेप लगाया है। यह राष्ट्र का ध्यान बांटने की कोशिश है।

कांग्रेस पर बाहरी शक्तियों के टूल की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए नड्डा ने अविश्वास प्रस्ताव लाए जाने की निंदा की। इससे पहले सदन की कार्यवाही के प्रारंभ में सभापति ने जैसे ही कार्य स्थगन के पांच प्रस्तावों की सूचना दी, वैसे ही सत्ता पक्ष और विपक्ष की ओर से अदाणी-सोरोस के नारों का शोरगुल तेज हो गया।

आगबबूला हो गए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया

लोकसभा में बीजेपी सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया और टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी के बीच तीखी बहस देखने को मिली। कल्याण बनर्जी ने सिंधिया पर कटाक्ष करते हुए कहा, आप अच्छे दिखने वाले इंसान हैं लेकिन आप खलनायक भी हो सकते हैं. कल्याण बनर्जी यहीं नहीं रुके उन्होंने सिंधिया से कहा, आप लेडी किलर हो। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस देखने को मिली।

कल्याण बनर्जी ने कहा कि सिंधिया खानदान से महाराजा हैं तो क्या सब को छोटा समझते हैं. इसपर सिंधिया ने कहा कि आप निजी टिप्पणी कर रहे हैं। मेरा नाम ज्योतिरादित्य सिंधिया है. अगर मेरे परिवार के बारे में गलत बोलेंगे तो मैं बर्दाश्त नहीं करुंगा। कोई नहीं करेगा. हालांकि, बवाल बढ़ता देख कल्याण बनर्जी ने अपने बयान को लेकर माफी मांगी लेकिन सिंधिया ने कहा कि वह उनकी माफी को स्वीकार नहीं करेंगे। कल्याण बनर्जी ने आगे कहा, मेरा इंटेंशन सिंधिया या किसी को भी हर्ट करने का नहीं था। कल्याण बनर्जी ने सॉरी कहा. इसके बाद केंद्रीय मंत्री सिंधिया खड़े हुए और कहा कि हम सब यहां राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए आए हैं। आप नीतियों की आलोचना कीजिए लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं करनी चाहिए. हर व्यक्ति सेल्फ रेस्पेक्ट के साथ आता है। इन्होंने सॉरी बोला लेकिन मुझे ये माफी स्वीकार नहीं. इन्होंने देश की महिलाओं का अपमान किया है। कल्याण बनर्जी ने बोलना शुरू किया तो हंगामा शुरू हो गया. हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही 5 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। कल्याण बनर्जी के इस बयान पर अब सियासत तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, बीजेपी की महिला सांसदों ने संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू से कल्याण बनर्जी के खिलाफ शिकायत की योजना बनाई है। महिला सांसदों का आरोप है कि कल्याण बनर्जी ने ज्योतिरादित्य सिंधिया के खिलाफ व्यक्तिगत टिप्पणी की है। सांसदों की मांग है कि कल्याण बनर्जी को निष्कासित किया जाना चाहिए. महिला बीजेपी सांसदों ने मौजूदा सत्र के शेष भाग के लिए कल्याण बनर्जी को निलंबित करने की मांग की है।

रिजिजू ने विपक्ष को घेरा

इसी बीच संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू खड़े हुए और विपक्षी खेमे पर बरस पड़े। उन्होंने सत्ता पक्ष का रुख बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि अगर विपक्षी दल उपराष्टपति के पद और गरिमा पर हमला करेंगे तो हम उनका बचाव करेंगे।उन्होंने कहा कि विपक्ष की जो भावना है, वो ठीक नहीं है। देश की एकता-अखंडता के लिए सभी सदस्यों को साथ होना चाहिए, लेकिन विपक्ष देश के विरोधियों के साथ तालमेल कर रहा है, इस पर शर्म आनी चाहिए। भारत विरोधियों के साथ खड़े होते हो और चेयरमैन के खिलाफ नोटिस देते हो।

रिजिजू ने इस पर दुख जताया कि 72 वर्ष बाद एक किसान के बेटे ने उपराष्ट्रपति और राज्यसभा का सभापति बनकर सदन की गरिमा को बढ़ाया है, लेकिन विपक्ष ऐसा व्यवहार कर रहा है।

क्या कोविड वैक्सीन की वजह से हार्टअटैक से हो रही थी मौत

आईसीएमआर की रिपोर्ट संसद में पेश

नईदिल्ली,11 दिसम्बर 2024 (ए)। आईसीएमआर की नई रिसर्च ने उन अफवाहों को खारिज कर दिया है जो कोविड वैक्सीनेशन को अचानक मौतों का कारण बताती थीं। मंगलवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने संसद में जानकारी देते हुए कहा कि कोविड वैक्सीन और अचानक मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वैक्सीनेशन से मौतों का जोखिम बढ़ने के बजाय कम हुआ है। यह रिपोर्ट युवाओं और वयस्कों की स्वास्थ्य स्थिति को लेकर कई अहम बातें सामने रखती है। रिपोर्ट को आईसीएमआर और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी ने तैयार किया है। इसमें 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों के डेटा का विश्लेषण किया गया।

इसमें 18 से 45 साल के स्वस्थ व्यक्तियों के उन 729 मामलों का अध्ययन किया गया जिनकी अचानक मौत हो गई थी। इसके अलावा, 2916 सैंपल ऐसे थे जिन्हें हार्ट अटैक के बाद बचा लिया गया। रिसर्च से यह निष्कर्ष निकला कि कोविड वैक्सीन की एक या दो खुराक लेने से अचानक मौत की संभावना घट जाती है।

मौतों के पीछे ये वजहें आई सामने

अचानक मौतों के कारणों पर गौर करते हुए, रिसर्च में पांच मुख्य फैक्टर सामने आए। इनमें कोविड-19 अस्पताल में भर्ती रहने का इतिहास, परिवार में पहले से ऐसी मौतें होना, अत्यधिक शराब सेवन, नशीली दवाओं का उपयोग, और मौत से पहले ज्यादा शारीरिक गतिविधि (जैसे जिम में व्यायाम) शामिल हैं। इन कारणों को अचानक मौतों का प्रमुख कारक बताया गया है।

वैक्सीनेशन पर सरकार का भरोसा

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स पर लगातार नजर रख रही है। 'एडवर्स इवेंट फॉलोविंग इम्यूनाइजेशन' नाम से एक मजबूत सर्विलांस सिस्टम तैयार किया गया है। वैक्सीनेशन केंद्रों पर एनाफिलेक्सिस किट और 30 मिनट का अनिवार्य निरीक्षण सुनिश्चित किया जाता है। इसके अलावा, जागरूकता बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया और राज्य सरकारों को दिशानिर्देश दिए गए हैं।

पांच करोड़ का गुजारा भत्ता देना होगा

पति को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

नई दिल्ली,11 दिसम्बर 2024 (ए)। बेंगलुरु के एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के सुसाइड मामले के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य केस में पति को पत्नी को पांच करोड़ का गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए पति को आदेश दिया कि वह शादी के टूटने पर पत्नी को एकमुश्त समझौते के रूप में पांच करोड़ रुपये का स्थायी गुजारा भत्ता दे। इसके साथ ही बच्चे के लिए भी एक करोड़ रुपये का प्रावधान करने को कहा गया है। कोर्ट का यह फैसला अतुल सुभाष के सुसाइड मामले पर चल रहीं चर्चाओं के बीच आया है, जिसमें अतुल ने अपनी पत्नी द्वारा दायर मामलों से तंग आकर सुसाइड कर लिया। साथ ही, कई पन्नों के सुसाइड लेटर में कई चौंकाने वाले दावे भी किए।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने जिस मामले में फैसला दिया है, उसमें पति और पत्नी लगभग दो दशकों से अलग-अलग रह रहे हैं। दोनों शादी के बाद सिर्फ छह साल तक ही साथ रहे। पत्नी का आरोप है कि पति का व्यवहार उसकी तरफ अच्छा नहीं था, जबकि पति का दावा है कि पत्नी असंवेदनशील थी और परिवार के प्रति उदासीनता से पेश आती थी। इतने लंबे समय से अलग रहने की वजह से भी अदालत ने माना कि दोनों की शादी अब पूरी तरह से टूट चुकी है। इस मामले में अंतरिम भरण-पोषण से संबंधित कई मुद्दे थे, लेकिन कोर्ट ने पाया कि चूंकि शादी पूरी तरह से टूट चूकी है इसलिए पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता देने की जरूरत है।

मामले की सुनवाई करते हुए कोर्ट ने यह भी कहा कि स्थायी गुजारा भत्ता की राशि इस तरह से तय की जानी चाहिए कि पति को दंडित न किया जाए, बल्कि पत्नी के लिए एक सभ्य जीवन स्तर सुनिश्चित किया जाए। पत्नी को पांच करोड़ का स्थायी गुजारा भत्ता देने का निर्देश देते हुए कोर्ट ने साल 2021 के रजनीश वर्सेज नेहा और 2024 के अनीश प्रमोद पटेल और ज्योत मैनी के मामले का भी जिक्र किया। कोर्ट ने राशि तय करने के लिए कुछ वजहों को भी बताया। जैसे कि पक्षकारों की सामाजिक और वित्तीय स्थिति जानना। पत्नी और बच्चों की जरूरतों को ध्यान में रखना। पति की रोजगार की स्थिति देखकर। उसकी स्वतंत्र आय या फिर संपत्ति। इसके अलावा, वैवाहिक घर में पत्नी के भोगे जाने वाले जीवन स्तर को देखकर स्थायी गुजारा भत्ता देने का फैसला करना।

मेहुल चोकसी की 2565 करोड़ की संपत्ति होगी नीलाम

नई दिल्ली,11 दिसम्बर 2024 (ए)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाला मामले में मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने भगोड़े कारोबारी मेहुल चोकसी की 2,565 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति बेचने की इजाजत दे दी। संपत्ति बेचकर घोटाले से प्रभावित लोगों को पैसा वापस किया जाएगा। ईडी लंबे समय से इसके लिए कोशिश कर रही थी। मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के दौरान ईडी ने चोकसी की संपत्तियां सीज की थीं।

कोर्ट ने कहा कि संपत्तियों की नीलामी से मिली रकम एफडी के रूप में पीएनबी और आईसीआईसीआई बैंक में जमा की जाए। चोकसी ने आईसीआईसीआई ने बड़ा लोन लिया था, जो चुकाया नहीं गया। चोकसी की गीतांजलि जेम्स लिमिटेड से जुड़ी कई संपत्तियों को बेचकर 125 करोड़ रुपए लोगों को वापस किए जा चुके हैं। इन संपत्तियों में मुंबई के फ्लैट, दो फैक्ट्रियां और गोदाम शामिल थे। चोकसी और उसके भांजे नीरव मोदी को ईडी और सीबीआई ने पीएनबी के कुछ कर्मचारियों के साथ मिलीभगत कर 13,400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में वांछित घोषित कर रखा है। नीरव मोदी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया जा चुका है। वह 2019 से लंदन की जेल में है। मेहुल चोकसी एंटीगुआ-बरबूडा में रह रहा है। भारत की इस देश के साथ प्रत्यर्पण संधि नहीं है।

गीता जयंती पर भोपाल में 5 हजार से ज्यादा आचार्यों ने एक साथ किया गीता पाठ

गिनीज बुक में दर्ज हुआ रिकॉर्ड

भोपाल,11 दिसम्बर 2024 (ए)। अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव अंतर्गत बुधवार को लाल परेड ग्राउंड में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें पहली बार 5 हजार आचार्यों ने गीता के तृतीय अध्याय कर्म योग का सस्वर पाठ किया। इसके बाद मध्यप्रदेश में गीता पाठ करने का वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम हो गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स का सर्टिफिकेट प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण के आशीर्वाद से धन्य भूमि मध्य प्रदेश में गीता जयंती के पावन पर्व के अवसर पर गीता पाठ का गिनीज विश्व रिकॉर्ड बना।

सीएम मोहन यादव ने कहा, आज भगवान के मुखारविंद से निकले गीता के श्लोक का जो वाचन हुआ है वो सिर्फ प्रदेश नहीं, देश नहीं बल्कि पूरी दुनिया में पहली बार हुआ है। मैं इसके लिए कोटि कोटि वंदन करता हूं. किसी पूजा पद्धति से हमारा विरोध नहीं है लेकिन हमारी पूजा पद्धति की बात तो हम करेंगे। गौरतलब है कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान श्रीमद भगवत पुराण और गौ एवं गोपाल चित्र प्रदर्शनी का संयोजन किया साथ ही साधो बैंड मुंबई के द्वारा भक्तिमय गीतों की सुरमई प्रस्तुति दी गई।

विशेष रूप से मध्य प्रदेश में आ रहे पर्यटकों और आगंतुकों को गीता की महिमा से अवगत कराने के लिए प्रदेश के होटलों में श्रीमद्भगवद्गीता, वाल्मीकि रामायण और रामचरित मानस की एक-एक प्रति रखने की पहल भी की गई।

मुख्यमंत्री का काफिला हादसे का शिकार,मचा हड़कंप

जयपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का काफिला हादसे का शिकार हो गया।. जयपुर में बुधवार दोपहर को हुई इस दुर्घटना में काफिले में तैनात तीन पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए,जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर काफिले में शामिल गाड़ी को टक्कर मारने वाली कार को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक सीएम भजनलाल ने ट्रैफिक पुलिस ने उनके काफिले की मूवमेंट के दौरान आम जनता को नहीं रोकने के निर्देश दिए हुए थे। ऐसे में जब सीएम निकले तो रॉन्ग साइड से आ रही गाड़ी ने उनके काफिले में घुसकर सुरक्षाकर्मियों की गाड़ी को टक्कर मार दी। इसमें तीन सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों को मुख्यमंत्री खुद अस्पताल तक लेकर गए और उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया।

मुख्यमंत्री कार्यालय के एक अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि यह दुर्घटना एनआरआई सर्किल के पास हुई, जब सीएम के काफिले की एक गाड़ी एक कार से टकराने से बचने के प्रयास में सड़क के डिवाइडर से टकरा गई। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने अपनी गाड़ी रुकवाई और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। उन्होंने बताया, सीएम का काफिला हमेशा की तरह चल रहा था और कोई यातायात नहीं रुका था. इसी दौरान दुर्घटना हुई.। सीएम ने मामले की जानकारी ली और एंबुलेंस आने का इंतजार करने के बजाय गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाने में कोई समय बर्बाद नहीं किया।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र 16 दिसंबर से

सुरक्षा के रहेंगे के इंतजाम

भोपाल,11 दिसम्बर 2024 (ए)। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र इस वर्ष पांच दिन का होगा,जो 16 दिसंबर से शुरू होकर 20 दिसंबर तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है। इस दौरान तीन नए विधायकों को शपथ दिलाई जाएगी और राज्य सरकार का अनुपूरक बजट प्रस्तुत कर मंजूरी हासिल की जाएगी। शीतकालीन सत्र के दौरान श्री लियर सुरक्षा व्यवस्था रहेगी।बाहरी और आंतरिक सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। चाकू या अन्य धारदार हथियार कोई लेकर नहीं चल सकेगा। कोई भी व्यक्ति ऐसा कोई कार्य न करें जिससे शिक्षण संस्थाओं, होटल, दुकान, उद्योग और सार्वजनिक या निजी सेवाओं पर विपरीत असर पड़ता हो. प्रभावित क्षेत्र में धरना, पुतला दहन या किसी तरह के आंदोलन की सख्त मनाही की गई है।नई विधानसभा क्षेत्र से राजभवन, रोशनपुरा चौराहा से पत्रकार भवन, बोर्ड आफिस चौराहा, झरनेश्वर मंदिर, गुलाब उद्यान,विंध्याचल, सतपुड़ा, वल्लभ भवन और अरेरा एक्सचेंज क्षेत्र, ओमनगर और वल्लभ नगर के झुग्गी क्षेत्र धारा 163 के तहत जारी आदेश का प्रभाव क्षेत्र माना जाएगा।

नहीं रहे सियाराम बाबा

अंतिम संस्कार में सीएम मोहन यादव हो सकते हैं शामिल

खरगोन,11 दिसम्बर 2024 (ए)। नर्मदा तट स्थित भट्टयान बुजुर्ग में संत सियाराम बाबा 95 वर्ष का बुधवार मोक्षदा एकादशी पर सुबह 6.10 मिनट पर प्रभुमिलन हो गया है। आज गीता जयंती भी है। उनका अंतिम संस्कार शाम 4 बजे आश्रम के पास किया जाएगा।

CMYK

संपादकीय

रोजगार ढूंढना बड़ी चुनौती

हर साल 15 लाख इंजीनियरिंग छात्र जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना उनके लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ है।भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले सिर्फ 10 फीसदी नौजवानों को सिक्योर जॉब मिलने की संभावना रह गई है।वैसे इंजीनियरिंग स्नातक केवल 60 प्रतिशत हैं, जिन्हें आज बाजार में रोजगार पाने लायक समझा जाता है। केवल उद्योग जगत की बात करें, तो ऐसे स्नातकों की संख्या महज 45 फीसदी है।भारत में इंजीनियरिंग की पढ़ाई और उससे प्रशिक्षित होकर निकले इंजीनियरिंग स्नातकों की बदहाली की ये कहानी मानव संसाधन क्षेत्र की एजेंसी टीमलीज की ताजा रिपोर्ट से सामने आई है।उसके मुताबिक इस बदहाली का प्रमुख कारण इंजीनियरिंग स्नातकों में आज के तकाजे के अनुरूप कौशल का अभाव है।भारत में हर साल 15 लाख छात्र इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी कर जॉब मार्केट में आते हैं। लेकिन रोजगार ढूंढना धीरे-धीरे उनके लिए एक बड़ी चुनौती बनता गया है।दुखद यह है कि संबंधित चुनौतियों के स्पष्ट होने और इन पर कई वर्षों से चर्चा जारी होने के बावजूद स्थिति में सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बनी है।रिपोर्ट में उचित ही इस ओर ध्यान खींचा गया है कि लंबे समय से इंजीनियरिंग शिक्षा भारत के विकास की बुनियाद रही है। इसीलिए नौजवानों के लिए करियर का यह पसंदीदा विकल्प रही।देश में बुनियादी ढांचे के विकास एवं सकल प्रगति को आकार में इंजीनियरों की प्रमुख भूमिका रही है। लेकिन अब हालत बदल चुकी है। तकनीकी उन्नति जिस दिशा में हुई, भारत की इंजीनियरिंग शिक्षा को उसके अनुरूप विकसित नहीं किया गया।नतीजा अब भुगतना पड़ रहा है। नेसकॉम का अनुमान है कि अगले दो-तीन साल तक भारतीय तकनीकी सेक्टर को ऐसे दस लाख इंजीनियरों की जरूरत पड़ेगी, जो आर्टिशिफियल इंटेलीजेंस, बैटरी संचालित वाहनों, सेमीकंडक्टर और अन्य उन्नत हो रही तकनीक में पारंगत हों।लेकिन ऐसे इंजीनियर बहुत कम संख्या में तैयार हो रहे हैं। किसी भी देश में विकास के बुनियादी स्तंभ विज्ञान, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और गणित में शिक्षित नौजवान होते हैं।मगर शर्त यह है कि उन्हें वक्त की जरूरत के हिसाब से क्वालिटी शिक्षा मिली हुई हो। इस कसौटी पर भारतीय शिक्षा व्यवस्था नाकाम हो रही है, तो उसका अर्थ है कि अपना देश विकास की होड़ में पिछड़ा बना रहेगा।

बीजेपी के खिलाफ 27 में फिर बदलेगा सियासी समीकरण

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे

ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए।

कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गई जब सपा कि तरफ से कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद कई चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। उधर दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि यूपी की राजनीति एक बार फिर पलट सकती है। सपा और कांग्रेस के बीच आई दूरियों के बीच मायावती का रुख नई राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। बहराल,सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्टीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं। पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है।

बात बीएसपी की की जाए तो हरियाणा व महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव और यूपी के उपचुनाव में कांग्रेस व सपा के बीच बढ़ी दूरियों का सियासी लाभ बसपा को मिलने की उम्मीद है। पार्टी तेजी से बदले राजनीतिक घटना पर नजर बनाए हुए है। यदि कांग्रेस और सपा के बीच बात नहीं बनी तो इसकी वजह से बनने वाले तीसरे मोर्चा का बसपा अंग बन सकती है। जानकारों की मानें तो वर्तमान में पार्टी को अपना वजूद बचाने और देश की राजनीति में अपनी प्रासंगिकता को बरकरार रखने के लिए इसकी जरूरत भी है। बसपा के इतिहास पर नजर डालें तो वर्ष 2007 के यूपी विधानसभा चुनाव में उसे बहुमत मिला था। इससे पहले बसपा दूसरे दलों की मदद से सरकार बनाती रही, जिसका लाभ उसे लोकसभा चुनावों में भी मिलता गया। वर्ष 2012 में बसपा ने फिर अकेले दम पर चुनाव लड़ने का फैसला लिया, जो गलत साबित हुआ। यही हाल 2017 के विधानसभा चुनाव में भी हुआ। 2019 में बसपा ने सपा के साथ गठजोड़ कर लोकसभा चुनाव लड़ा और 10 सांसदों वाली पार्टी बनी। हालांकि इसके बाद वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव और 2024 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने से उसे भारी नुकसान का सामना करना पड़ गया। अब पार्टी की उम्मीदें तीसरा मोर्चा बनने पर टिकी हैं। वैसे तो मायावती सपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार नहीं है लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी दोनों दलों को एक मंच पर ला सकती हैं। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो कांग्रेस को दरकिनार कर अगर तीसरा मोर्चा बना तो ममता बनर्जी उसकी निर्विवाद नेता बन सकती हैं। पहले उन्हें मायावती से चुनौती मिलने के जो समीकरण बने थे, वो बीते चुनावों में बसपा के लगातार घटते जनाधार की वजह से ध्वस्त हो चुके हैं। अब बसपा को अपना खोया हुआ जनाधार वापस पाने के लिए दूसरे दलों का सहारा लेना पड़ सकता है।इसके साथ ही बसपा सुप्रीमो ने पुराने बसपाइयों को भी वापस आने का बुलावा दिया है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

भारत की आर्थिक चिंताएं बढ़ी

यकीनन इस समय बढ़ते हुए रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राइल-ईरान संघर्ष के कारण भारत की भी आर्थिक चिंताएं बढ़ गई हैं। ये चिंताएं बढ़ती कीमतों, शेयर बाजार में गिरावट, माल ढुलाई की लागत बढने, खाद्य वस्तुओं की महंगाई, भारत से चाय, मशीनरी, इस्पात, रत्न, आभूषण तथा फुटिवयर जैसे क्षेत्रों में निर्यात आदेशों में कमी, निर्यात के लिए बीमा लागत में वृद्धि तथा युद्ध में उलझें हुए देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार में कमी के रूप में दिखाई दे रही हैं।स्थिति यह है कि वैश्विक शेयर बाजार के साथ-साथ भारत के शेयर बाजार पर भी असर पडना शुरू हुआ है। पश्चिम एशिया संकट और चीन से सरकारी प्रोत्साहन के दम पर बाजार चढने के मद्देनजर भारत के शेयर बाजार में कुछ विदेशी निवेशकों के द्वारा जोखिम वाली संपत्तियां बेची जा रही हैं और वे अपना बड़ी संख्या में निवेश निकाल रहे हैं। स्थिति यह है कि सेंसेक्स और निफ्टी के लिए अक्टूबर और नवम्बर 2024 दो साल की बड़ी गिरावट के महीनों के रूप में दिखाई दे रहे हैं। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच निवेशक सुरक्षित निवेश के तौर पर सोने की खरीदी का भी रु ख कर रहे हैं। इससे वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में भी सोने की खपत और सोने की कीमत बढ़ी है।एक चिंताजनक बात यह है कि ईरान और इस्राइल के बीच संघर्ष का असर वैश्विक शिपिंग रूट्स पर भी पड़ सकता है। दुनिया को मिलने वाला करीब एक तिहाई तेल और खाद्य व कृषि उत्पादों का अधिकांश यातायात इसी मार्ग से होता है। इससे खाद्य पदाथरे, जैसे कि गेहूं, चीनी और अन्य कृषि उत्पादों की कीमतें बढने लगेगी। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध का अप्रत्यक्ष प्रभाव भारतीय फार्मास्युटिकल उद्योग पर भी पड़ सकता है, क्योंकि भारत अभी भी ज्यादातर दवाओं के लिए कच्चे माल का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। ऐसे में दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका होगी। इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया में युद्ध के बढने पर भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट और महंगाई वृद्धि का दौर निर्मित होते हुए दिखाई दे रहा है, लेकिन पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत के कई ऐसे मजबूत

आर्थिक पक्ष हैं जिनसे भारत के आम आदमी और भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक नुकसान नहीं हो सकेगा। खास बात यह है कि इस समय भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है।भारत खाद्यान्न अतिशेष वाला देश है और देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच भी भारत पर दुनिया का आर्थिक विश्वास बना हुआ है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक 21 नवम्बर तक भारत के पास 650 अरब डॉलर से अधिक का विदेशी मुद्रा भंडार है, जिससे भारत किसी भी आर्थिक जोखिम का सरलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है। यदि दुनिया के युद्धग्रस्त देशों में युद्ध और तेजी से बढ़ेगा तो कच्चे तेल के वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है और अब यदि कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेगी तो दुनियाभर में कई वस्तुओं के दाम बढने के साथ-साथ भारत में भी कीमतें बढने का सिलसिला शुरू हो सकता है।चूंकि ईरान दुनिया के सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादकों में से एक है और यह देश पश्चिम एशिया के संवेदनशील इलाकों में स्थित है। ऐसे में ईरान के तेल बाजार में अस्थिरता से कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढने पर पेट्रोल, डीजल और अन्य पेट्रोलियम उत्पाद महंगे होने लगेंगे। यह भी चिंताजनक है कि अभी देश में महंगाई बढने का रु झान स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। 14 नवम्बर को राष्टीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, अक्टूबर में थोक महंगाई दर बढ़कर 2.36 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 4 महीने का उच्चतम स्तर है। बीते महीने खाद्य पदाथरे, विशेष रूप से सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं की कीमतें महंगी हो गई हैं।सितम्बर 2024 में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 1.84 प्रतिशत थी। ज्ञातव्य है कि 12 नवम्बर को प्रकाशित आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2024 में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 6.21 प्रतिशत हो गई। यह महंगाई का 14 महीने का उच्चतम स्तर है। इससे पिछले महीने सितम्बर में खुदरा महंगाई दर 5.49 प्रतिशत दर्ज की गई थी तथा अगस्त में 3.65 प्रतिशत थी। आलू, प्याज के साथ अन्य सभी प्रकार की सब्जियों की कीमतों में तेज वृद्धि तथा महंगे हुए अनाज व फलों के कारण अक्टूबर माह में खाद्य वस्तुओं की खुदरा महंगाई दर भी बढ़कर 10.87 प्रतिशत हो गई, जबकि सितम्बर माह में यह 9.24 प्रतिशत तथा माह अगस्त में 5.66 प्रतिशत थी।इसमें कोई दो मत नहीं है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच अब सरकार को भी महंगाई नियंत्रण के लिए बहुआयामी रणनीति की डगर पर आगे बढना होगा। पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक तेल की कीमतों में आए उछाल पर पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में अधिक तनाव बढने पर भारत कच्चे तेल के किसी भी संकट से निपटने में सक्षम होगा। पहले भारत 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था अब इन देशों की संख्या बढ़कर 39 हो गई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 के बजट के तहत किए गए महंगाई नियंत्रण उपायों पर तुरंत कार्यान्वयन किया जाए।हम उम्मीद करें कि पश्चिम एशिया संघर्ष और रूस-यूक्रेन युद्ध के विस्तारित होने पर सरकार बाजार की गिरावट रोकने के लिए भी रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि सरकार पीएलआई योजना के तहत दवाई उद्योग में काम आने वाले जिन 35 प्रमुख कच्चे मालों (एपीआई) का उत्पादन देश में ही कर रही है, उनके अलावा करीब 18 प्रकार के एपीआई का उत्पादन भी देश में ही करने की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी, ताकि दवाइयों के दामों पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। ऐसे बहुआयामी रणनीतिक प्रयासों से देश के आमजन व देश की अर्थव्यवस्था को पश्चिम एशिया संघर्ष और विस्तारित होते रूस-यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभावों से बहुत कुछ बचाया जा सकेगा।

-डॉ. जयंतीलाल भंडारी-

खून-खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत

सीरिया के राष्ट्रपति असद भाग गए है। देश में सेना, प्रशासन और सरकार खत्म है। बांग्लादेश की हसीना वाजेद के हालिया पतन के बाद एक और तानाशाह के पतन की कहानी लिखी जा रही है।राष्ट्रपति के राजधानी दमिश्क से भागने के साथ ही, असद परिवार का सीरिया पर पिछले 50 सालों से चला आ रहा राज खत्म हो गया है।रविवार को सुबह-सुबह विद्रोही बलों ने दमिश्क में जयकारे लगाए। जश्न मनाते हुए हवा में गोलियां चलाई। चारों ओर अल्लाह-हु-अकबर' की आवाजें गूंजने लगी।विद्रोही जनता को सीरिया पर नियंत्रण कायम करने में केवल 11 दिन लगे। विद्रोहियों के उत्तर-पश्चिमी सीरिया से अपने हमले शुरू करने के बाद से ही असद की सेना पीछे हटती गई, उन्हें विदेशी मदद न के बराबर हासिल हो सकी और उनके वफादारों ने देश छोड़कर भागना शुरू कर दिया।विद्रोहियों के लिए रास्ता साफ होता गया और एक हफ्ते के अंदर देश के पांच प्रांतों की राजधानियों पर असद का नियंत्रण खत्म था।उथलपुथल और अराजकता सीरिया के लिए नई बात नहीं हैं। वहां के लोग मुसीबतों के बीच जीने के आदी हैं। बशर अल-असद के जुल्मों के चलते वहां हालात पहले से ही बहुत खराब थे।खून-खराबा बड़े पैमाने पर हो रहा था और देश रहने लायक नहीं बचा था। फिर रविवार की सुबह देश देश पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्ज़ा हो गया।हालाँकि इससे असद के 24 साल के निर्मम शासन अंत हुआ है, लेकिन देश एक नर्क से निकल कर दूसरे नर्क में धकेल दिए जाने के मानिंद है। पिछली बार 2011 में असद गंभीर संकट में फंसे थे जब सीरिया के कई शहरों में जनता ने उनके सत्ता छोडने की मांग करते हुए बगावत की थी।उस समय असद ने सरकार की ताकत का इस्तेमाल अपनी ही जनता के खिलाफ करते हुए विरोध को सख्ती से कुचला था। धीरे-धीरे इस विरोध ने गृहयुद्ध का रूप ले लिया।असद ने अपनी डरावनी जेलों से जेहादी कैदियों को रिहा करके उनकी खिलाफत कर रही ताकतों और जेहादियों के बीच टकराव पैदा करने का प्रयास किया।उसके बाद उन्होंने अपने मुख्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोगी रूस और लंबे समय के इलाकाई दोस्त ईरान की सहायता ली।ईरान ने लेबनान के शक्तिशाली हथियारबंद संगठन हिज्बुल्लाह के साथ मिलकर उन्हें सैनिक सहायता उपलब्ध करवाई जिससे वे देश पर दुबारा अपना नियंत्रण कायम करने में कामयाब रहे।इस गृहयुद्ध में तीन लाख से अधिक लोग मारे गए। कुछ अनुमानों के मुताबिक मरने वालों की संख्या इससे दोगुनी थी। दसियों हजार लोग जेलों में बंद हैं।सन 2011 से लेकर आज तक कैद किए गए लोगों में से करीब एक लाख या तो गायब हो गए या उन्हें गायब कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रतिनिधियों के मुताबिक, इन लोगों को योजनाबद्ध ढंग से क्रूर यातनाएं दी गईं। करीब 1.20 करोड़ लोग अपने घर छोडने को मजबूर हुए। देश में कई वर्षों तक युद्ध चलता रहा और इस दौरान सीरिया के बड़े शहरों पर असद का नियंत्रण बना रहा। मगर उत्तर-पश्चिम के कुछ पहाड़ी इलाकों में हयात तहरीर अल-शाम (एचईएस), जिसने 2017 में अलकायदा से नाता तोड़ लिया था, का कब्जा रहा। यह इलाका बाकी दुनिया से कटा हुआ था। यह संगठन असद के लिए बहुत मामूली खतरा नजर आता था किंतु उसने अचानक आक्रमण किया और कुछ ही दिनों में अल्लेपो पर कब्जा कर लिया।सीरिया के दूसरे सबसे बड़े शहर अल्लेपो में विद्रोहियों के कब्जे के कुछ ही दिनों बाद एचटीएस नेता अबू मोहम्मद अल-जोलानी लड़ाकों के घेरे में शहर के प्राचीन किले की सीढिय़ों से शान से नीचे उतरे, जहां उत्साहित भीड़ ने उनका स्वागत किया।जोलानी के पूर्व में अलकायदा से संबंध रहे हैं, जिस कारण अमेरिका ने अभी भी उन पर एक करोड़ डालर का इनाम रखा हुआ है।लेकिन जनता के बीच उसकी सतत मौजूदगी और अपने समर्थकों से सीधे संवाद करने के कारण वे इस विद्रोह के नेता बतौर देखे जाने लगे हैं।राष्ट्रपति के रूप में अपने आखिरी घंटों के दौरान असद ने हालात पर काबू पाने की हरचंद कोशिश की। चारों ओर से घिर जाने के बाद भी उन्होंने अरब देशों से मदद की गुहार लगाना जारी रखा।कई स्त्रोतों के मुताबिक उन्होंने यूएआई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायेद जो एचटीएस जैसे इस्लामिक समूहों से नफरत के लिए जाने जाते हैं से भी मदद की भीख माँगी और उन्होंने मिस्र, जार्डन और कई अन्य देशों से भी। लेकिन कोई इस हारी हुई लड़ाई में उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया।अब सीरिया पर इस्लामिक विद्रोहियों का कब्जा है। विद्रोही गठबंधन में कई इस्लामिक कट्टरंपथी और नरम धड़े शामिल हैं, जो आपसी मतभेदों के बावजूद असद शासन, इस्लामिक स्टेट और ईरान-समर्थित लड़ाकों से युद्ध करने के मामले में एकमत थे।एचटीएस और सीरियन नेशनल आर्मी (एसएनए), जिसमें विभिन्न विचारधाराओं वाले दर्जनों संगठन सम्मिलित हैं, को तुर्की धन और हथियार मुहैया करवा रहा है।सीरिया पर असद का राज खत्म होना तुर्की के लिए फायदेमंद है। तुर्की के राष्ट्रपति तैय्यब अर्दोग़ान ने सीरिया में आए बदलाव का स्वागत किया है।शक नहीं कि एचटीएस पर सबसे अधिक प्रभाव तुर्की का ही रहेगा। जल्द ही अमेरिका के राष्ट्रपति बनने वाले डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका को इस झमेले से दूर रखना चाहते हैं। इस लड़ाई से हमारा कोई लेनादेना नहीं है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है। इसी तरह रूस की प्राथमिकता तरतूस में अपने नौसेना अड्डे को बचाए रखना होगा, जो भूमध्य सागर में उसका इकलौता बंदरगाह है। मगर जिस प्रश्न का उत्तर मिलना बाकी है वह यह है कि क्या सीरियाईओं को अंततः अपने देश का पुनर्निर्माण करने का मौका मिलेगा? अभी तो वहां का माहौल बैचेनी और डर से भरा हुआ है। इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि इस्लामिक संगठन एचटीअस तुर्की के काबू में रहेगा, या तुर्की, एचटीएस को उस हमले को रोकने का हुक्म दे सकेगा जिस हमले में एचटीएस को उसकी उम्मीद से ज्यादा कामयाबी हासिल हुई है। एचटीएस के पास इतने संसाधन नहीं हैं जितने सीरिया जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश का शासन चलाने के लिए जरूरी हैं। हालांकि एचटीएस ने ईसाईयों, अलावातियों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों को भरोसा दिलाया है कि वे सुरक्षित रहेंगे लेकिन इस बात की काफी संभावना है कि इनमें से कुछ देश छोड़कर चले जाएं।फिलहाल, सीरियाईओं और सारी दुनिया के लिए राहत की सबसे बड़ी बात यह है कि खून-खराबे और बर्बादी भरे असद के शासन का अंत हो गया है।

-श्रु ति व्यास-

रैगिंग के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं

पिछले दिनों गुजरात के पाटन में एक मेडिकल कॉलेज में रैगिंग के कारण 18 साल के एक छात्र की मौत के बाद उम्मीद जगी थी कि कॉलेजों में रैगिंग के मामलों पर रोक लगेगी लेकिन उसके बाद भी जिस प्रकार आये दिन देश भर से रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उन्हें देखते हुए कॉलेजों में रैगिंग को लेकर तत्काल कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस होने लगी है।पाटन मेडिकल कॉलेज में रैगिंग से छात्र की मौत के मामले में खुलासा हुआ है कि 15 सीनियर छात्रों ने उस जूनियर छात्र सहित कई छात्रों से लगातार तीन घंटे डांस करवाया, गाने गवाए और उन्हें शारीरिक-मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। मानसिक-शारीरिक यातना दिए जाने के कारण अनिल मेथानिया आधी रात को बेहोश होकर गिर पड़ा। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मेडिकल कॉलेज के द्वितीय वर्ष के 15 छात्रों को गैर-इरादतन हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रैगिंग पर लगाम कसने को लेकर देश भर के तमाम शिक्षण संस्थानों में सख्ती बेहद जरूरी है क्योंकि हर साल ऐसे अनेक मामले सामने आते हैं, जिनमें रैगिंग के शिकार छात्र अवसाद के शिकार हो जाते हैं, कुछ रैगिंग से डर कर पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं, तो कुछ मौत को गले लगा लेते हैं। रैगिंग रोकने के लिए सख्त अदालती दिशा-निर्देश हैं, लेकिन जिस प्रकार रैगिंग के मामले सामने आ रहे हैं, उससे चिंता बढना स्वाभाविक है।हिमाचल के एक मेडिकल कॉलेज में 2009 में रैगिंग से एक छात्र की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने देश के शिक्षण संस्थानों में रैगिंग विरोधी कानून सख्ती से लागू करने के आदेश दिए थे, जिसके तहत दोषी पाए जाने वाले छात्र को तीन साल के सश्रम कारावास और आर्थिक दंड का प्रावधान था। दोषी छात्र को कॉलेज तथा हॉस्टल से निलंबित या बर्खास्त किया जा सकता है। उसकी छात्रवृत्ति तथा अन्य सुविधाओं पर रोक, परीक्षा देने या परीक्षा परिणाम घोषित करने पर प्रतिबंध लगाने के अलावा अन्यत्र उसके दाखिले पर भी रोक लगाई जा सकती है। रैगिंग के मामले में कार्रवाई न करने अथवा मामले की अनदेखी करने पर कॉलेज के खिलाफ भी कार्रवाई हो सकती है, जिसमें कॉलेज पर आर्थिक दंड लगाने के अलावा कॉलेज की मान्यता रद्द करने का भी प्रावधान है।अदालत के दिशा-निर्देशों के तहत किसी छात्र के रंग-रूप या उसके पहनावे पर टिप्पणी करके उसके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाना, उसकी क्षेत्रीयता, भाषा या जाति के आधार पर उसका अपमान करना, उसकी नस्ल या पारिवारिक पृष्ठभूमि पर अभद्र टिप्पणी करना या उससे जबरन किसी प्रकार का अनावश्यक कार्य कराया जाना रैगिंग के दायरे में सम्मिलित किया गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा देश के प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में रैगिंग के खिलाफ एक समिति बनाने से लेकर संबंधित नियमों का पालन नहीं करने पर संस्थान की मान्यता रद्द करने तक के सख्त निर्देश हैं, लेकिन रैगिंग के लगातार सामने आते मामलों को देख कर हैरानी होती है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस अरिजीत पसायत, जस्टिस डी. के. जैन तथा जस्टिस मुकुंदकम शर्मा की खंडपीठ ने रैगिंग रोकने के लिए 11 फरवरी, 2009 को पहली बार बेहद कड़ा रुख अपनाते हुए कहा था कि रैगिंग में मानवाधिकार हनन जैसी गंध आती है। खंडपीठ ने राज्य सरकारों और केंद्रशासित प्रदेशों को शिक्षण संस्थानों में रैगिंग पर रोक लगाने के लिए राघवन कमेटी की सिफारिशों को सख्ती से लागू करने का निर्देश देते हुए कहा था कि रैगिंग रोकने में विफल शिक्षण संस्थाओं की मान्यता रद्द करें। 2001 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्नीकृष्णन समिति की सिफारिश के आधार पर रैगिंग पर प्रतिबंध लगाते हुए इसके लिए कठोर सजा का प्रावधान करते हुए अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि शिक्षा परिसरों में रैगिंग रोकना शिक्षा संस्थानों का नैतिक ही नहीं, कानूनी दायित्व भी है, जिसे न रोक पाना दंडनीय अपराध की श्रेणी में लाया जाएगा और ऐसे संस्थानों की संबद्धता तथा उन्हें प्रदत्त सरकारी वित्तीय सहायता समाप्त की जा सकती है।कोर्ट का स्पष्ट कहना था कि रैगिंग के नाम पर दुर्व्यवहार रोकना कॉलेज प्रबंधन, प्राचार्य,अधिकारियों तथा छात्रावास अधीक्षकों की जिम्मेदारी बनती है। एक विद्यार्थी कितने सपने संजो कर कॉलेज की दहलीज पर पहला कदम रखता है, और उससे भी अधिक उसके माता-पिता या अभिभावकों की आशाएं और अरमान उससे जुड़े होते हैं किंतु रैगिंग रूपी दानव एक ही झटके में उन सपनों, आशाओं और अरमानों पर भारी पड़ जाता है। रैगिंग जिस प्रकार छात्रों में अच्छे संस्कारों का बीजारोपण करने की बजाय आपराधिक प्रवृत्ति को जन्म दे रही है, ऐसे में राज्य सरकारों और कॉलेज प्रशासन को समय रहते जागना होगा। जरूरत इस बात की है कि रैगिंग में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं।

-योगेश कुमार गोयल-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

सरगुजा में कड़ाके की ठंड,मैनपाट में जमने लगी ओस की बूंदे

ठंड को देखते हुए स्कूल के समय में किया गया परिवर्तन

अंबिकापुर में 6.9, मैनपाट में 4 व बलरामपुर में 6.3 डिग्री है न्यूनतम तापमान

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नवम्बर में विक्षोभ की अनुपस्थिति के कारण एक लंबे अरसे बाद इस वर्ष निर्वाध रूप से उत्तरी हवाओं का प्रभाव दिखा था। जिससे सरगुजा में नवम्बर में ही शीतलहर की स्थिति निर्मित हुई थी। परन्तु खाड़ी में हुई हलचल और उत्तर भारत मे पछुआ की सक्रियता के कारण नियमित उत्तरी शुष्क हवा के बाधित होने से न्यूनतम तापमान में उछाल आया। अब जब एक बार पुनः इन विक्षोभों की ऊर्जा दुर्बल हुई है और हवाओं का प्रवेश उत्तर की ओर से होने लगा है तब न्यूनतम तापमान में फिर से गिरावट दिखने लगी है। अंबिकापुर में बुधवार का न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट का तापमान 5 डिग्री तक पहुंच गया है। इसके अलावा बलरामपुर जिले का तापमान 6.3 डिग्री दर्ज किया गया है। जो सामान्य से लगभग 4-5 डिग्री कम है। छत्तीसगढ़ के शिमला कहे जाने वाले मैनपाट के अलावा सामरीपाठ में अन्य जगहों की उपेक्षा यहां ज्यादा ठंड पड़ती है। जहां मैनपाट का तापमान लगभग 4 डिग्री पहुंच चुका है। मौसम वज्ञानिक एसके मंडल ने 4 डिग्री न्यूनतम तापमान के बाद मैदानी इलाकों में पाला पडऩा शुरू हो जाता है। मैनपाट व सामरी पाट में पाला जमने की स्थिति निर्मित होने लगी है। मैदानी इलाकों में जगह-जगह ओस की बूंदे जमने से बर्फ के सामान सफेद चादर बिछी नजर आई। घांस, पुआल व छोटे पौधें की पतियों पर ओस की बूंदे जमी हुई थी। कड़ाके की ठंड के बावजूद मैनपाट में सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। कड़ाके की ठंड के कारण मैनपाट का नजारा भी खूबसूरत हो गया है। मैनपाट के होटलों व रिसोर्टों में एडवांस बुकिंग चल रही है। क्रिसमस व नए साल को देखते हुए सौलानी मैनपाट के खुबसूरत दृश्य को देखने पहुंच रहे हैं। वहीं इस ठंड ने यहां की खुबसूरत पर और बढ़ा रही है।

ठंड से बचने आग का सहारा

सरगुजा में नवंबर महीने में शीतलहर के बाद दिसंबर महीने में पुनः कड़ाके की ठंड शुरू हो गई है। मंगलवार की रात से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। लोग ठंड से बचने के लिए गर्म कपड़ों के साथ-साथ आग का सहारा ले रहे हैं।

दो दिनों तक तापमान में और गिरावट

मौसम वैज्ञानिक एसके मंडल ने बताया कि मौसम साफ होते ही उत्तर की ओर से शुष्क हवाओं के आने का क्रम जारी है। इस लिए तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है। एक दो दिनों तक तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। इसके एक विक्षोभ सक्रिय होने वाली है। इस दौरान तापमान में हल्की वृद्धि दर्ज की जा सकती है।

स्कूल के समय में किया गया परिवर्तन

तापमान में गिरावट व कड़ाके की ठंड को देखते हुए कलेक्टर ने सरगुजा जिले में संचालित शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के शाला संचालन के समय में परिवर्तन किया है। शुक्रवार से सुबह पहली पाली में लगने वाली कक्षाएं 8.30 से 12 बजे तक व शानिवार की दोपहर 12.15 बजे से शाम 4.15 बजे तक व द्वितीय पाली में लगने वाली कक्षाएं 12.15 से शाम 4.15 बजे तक व शनिवार को सुबह 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित की जाएगी।

बैल ने सिंघ से पेट में किया था हमला,7 दिन बाद ग्रीमण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

7 दिन पूर्व बैल ने एक ग्रामीण पर हमला कर दिया था। ग्रामीण इसकी जानकारी परिजन को नहीं दी थी। 10 दिसंबर की रात को अचानक ग्रामीण के पेट में दर्द शुरू हो गई। इसके बाद बैल द्वारा हमले किए जाने की जानकारी परिजन को दी। परिजन उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामलाल चेरवा 58 वर्ष शहर से लगे ग्राम हंसुली का रहने वाला था। 3 दिसंबर को बांधते समय बैल ने सिंघ से उसके पेट में हमला कर दिया था। इसकी जानकारी परिजन को वह नहीं दी थी। 10 दिसंबर की रात को उसके पेट में दर्द शुरू होने पर वह घटना की जानकारी परिजन को दी। परिजन ने उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

मानवाधिकार ऐसे अधिकार हैं जो जन्म से ही मानव को हो जाता है प्राप्त

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के विधि विभाग में मानवाधिकार दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में जयेश वर्मा अधिवक्ता जिला एवं सत्र न्यायालय अंबिकापुर तथा विशिष्ट अतिथि ब्रजेश सिंह सहायक प्राध्यापक गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्व विद्यालय बिलासपुर थे। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. रिजवान उल्ला की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि जयेश वर्मा ने विद्यार्थियों से प्रश्न कर मानवाधिकारों के प्रावधानों की बारीकियों को स्पष्ट करते हुए छात्रों को सिविल अधिकार और राजनैतिक अधिकार का विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की। साथ ही मानवाधिकार के प्रति जागरूक रहने को कहा। अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. रिजवान उल्ला ने कहा कि मानवाधिकार हर व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होता है। विशिष्ट अतिथि ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को मानवाधिकार के प्रति जागरूक रहने संयुक्त राष्ट्र संघ की घोषणा को राज्य को संरक्षित करने दायित्व सौंपा गया है। माधवेन्द्र तिवारी ने कार्यक्रम की रुपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर शांति पूर्वक जीवन जीने के लिए राष्ट्रों के बीच संधि कर मानवाधिकारों के संरक्षण के लिए घोषणा की गई है।कार्यक्रम में पंकज कुमार अहिरवार ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर विश्वनाथ भूषण, डॉ. मिलेंद्र सिंह, डॉ. तरुण कुमार राजय, देवप्रकाश दुबे, पूनम सोनवानी, मोहन कश्यप, एनसीसी एवं विधि विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

5 दिन पूर्व महिला व उसकी बेटी की फांसी पर लटकी मिली थी लाश,परिजन ने पति व उसके रिश्तेदार पर लगाया हत्या का आरोप

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

पुलिस चौकी कुन्नी इलाके में शुक्रवार की सुबह मां-बेटी की पेड़ पर फांसी में लटकी लाश मिली थी। मामले में महिला के मायके वालों ने हत्या की आशंका लगा जता रहे हैं। बुधवार को महिला के परिजन ने अंबिकापुर एसपी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। परिजन ने महिला के पति और उसके रिश्तेदार पर हत्या का आरोप लगाते हुए मामले की जांच बारिकी से करने की मांग की है। परिजनों का आरोप है कि मीना गुप्ता के पति संजय गुप्ता पहले भी दहेज के लिए प्रताड़ित करता था। जिसकी वजह से कुटुम्ब न्यायालय में केस चल रहा था। घटना के एक दिन पहले ही कुटुम्ब न्यायालय ने महिला के पक्ष में फैसला आया था। जिसकी वजह से गुरुवार को मीना अपने पति शिक्षक संजय गुप्ता से मिलने उसके स्कूल गई थी। महिला के परिजन आरोप लगा रहे है कि शाम 5 बजे से मीना और उसकी 7 वर्षीय बेटी आस्था गुप्ता लापता हो गई थी और सुबह पेड़ पर लटकती लाश मिली है। परिजन ने पुलिस पर भी आरोप लगाया है कि कुन्नी चौकी पुलिस सही से जांच नहीं की है मामले को दबाने की कोशिश में है। मामले में एडिशनल एसपी अमोलक सिंह ने बारीकी से जांच कर कार्रवाई करने का आश्वाशन दिया है।

नगर निगम अंबिकापुर कार्यालय में हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

नगर निगम अंबिकापुर कार्यालय में बुधवार को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। नगर निगम कमिश्नर श्री डी.एन. कश्यप ने रक्तदान कर शिविर को शुरुआत की। इसके पश्चात श्री राजा सिद्धार्थ शर्मा, श्री अखिलेश पांडे, श्री आशीष कुमार, श्री संदीप ठाकुर, श्री दीपक मिश्रा, मो. परवेज आलम गांधी, श्री विकास शर्मा, श्री प्रमोद चौधरी ने रक्तदान किया।

इस अवसर पर रक्तदाताओं के उत्साहवर्धन हेतु महापौर नगर निगम डॉ. अजय तिर्की, सभापति नगर निगम अंबिकापुर एवं वाइस पैटर्न रेड क्रॉस सोसाइटी श्री अजय अग्रवाल,पैटर्न रेड क्रॉस सोसाइटी सरगुजा श्री करता राम गुप्ता, आजीवन सदस्य श्री आलोक दुबे, श्री चंद्र प्रताप सिंह, श्री जीवन यादव, श्री संजीव मंदिरवार, श्री आर्यन सिन्हा, श्री गिरीश गुप्ता उपस्थित थे। शिविर में मेडिकल टीम से डॉ. चंद्रशेखर, काउंसलर श्रीमती अंजुला मिश्रा, टेक्नीशियन श्रीमती संध्या सिंह, सिस्टर रीता थॉमस,मेडिकल स्टूडेंट्स पृथ्वी पाल, हेमनाथ पैकरा, एम्बुलेंस चालक मो. अज़हर उद्दीन ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बता दें राजमाता श्रीमती देवेन्द्र कमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय संबंद्ध चिकित्सालय अम्बिकापुर में सम्पूर्ण सरगुजा संभाग के अन्तर्गत गंभीर स्थिति अथवा विभिन्न रोगों से पीड़ित मरीज आते हैं जिन्हें जीवन रक्षक के रूप में ब्लड सेन्टर से ही निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है। आगामी दिनों में रोस्टर के अनुसार 13 दिसम्बर को लाइवलीहुड कॉलेज अम्बिकापुर में शिविर आयोजित किया जायेगा। इसी तरह 16 दिसम्बर को होली क्रॉस कॉलेज अंबिकापुर, 17 दिसम्बर को जनपद पंचायत लखनपुर - उदयपुर, 19 दिसम्बर को जनपद पंचायत सीतापुर एवं जनपद पंचायत बतौली में शिविर आयोजित किया जाएगा।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से महिला की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के जमहना ढ़ाबा के पास मंगलवार की शाम को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी सवार महिला व बच्चे को टक्कर मार दी। दुर्घटना में महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। वहीं बच्चे को मामूली चोटें आई थी। उसे बैकुंठपुर अस्पताल से मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गौरी मिश्रा पति शशीकांत मिश्रा उम्र 40 वर्ष पटना थाना क्षेत्र के ग्राम सावांरावां की रहने वाली थी। वह मंगलवार की शाम को बैकुंठपुर कलेक्टोरेट से परिचित के बच्चा अंशु को लेकर स्कूटी से घर जा रही थी। तभी जमगहना ढ़ाबा के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इससे महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई। वहीं बच्चे को मामूली चोटें आई थी। गंभीर रूप से जख्मी महिला को इलाज के लिए बैकुंठपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

धान उपार्जन में किसानों को हो रही असुविधाएं दूर करने की मांग

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भारतीय किसान संघ ने कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर धान खरीदी में किसानों को हो रही असुविधाओं की ओर ध्यानाकर्षण करते हुए इनके निराकरण की मांग रखी है। संघ ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि उपार्जन केंद्रों में बारदाने की उपयुक्त व्यवस्था नहीं है। शासन द्वारा निर्धारित मानक 40 क्विंटल 700 ग्राम से ज्यादा धान खरीदी की जा रही है। धान बिक्री की रकम को प्राप्त करने हेतु को-ऑपरेटिव बैंक में बेहतर व्यवस्था नहीं है। बैंक में धान बिक्री के किसानों को रकम प्रदान करने हेतु नए 2 काउण्टर खोले जाएं। दरिमा में भी वैकल्पिक व्यवस्था के अंतर्गत किसानों हेतु को-ऑपरेटिव बैंक की शाखा लगाई जाए जिससे दूरस्थ क्षेत्र के किसानों को समस्या न हो। बैंक को निर्देशित करें कि प्रतिदिन किसानों को राशि प्रदान करें। राशि प्रदान करने में सोसायटी की बाध्यता समाप्त हो। अधिकांश किसानों को एटीएम प्राप्त नही हो पाया है जिससे वे शासन द्वारा संचालित माइक्रो एटीएम योजना का लाभ नही ले पा रहे हैं। संघ ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए निराकरण की मांग रखी है। ज्ञापन सौंपने के दौरान संघ के जिलाध्यक्ष रुक्मणी सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष लुंड्रा अनिता जायसवाल, महेश्वर यादव, संतोष गुप्ता, जीवंत राम व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किशोर सिंह बघेल उपस्थित थे।

बच्चों के लिए मिठाई लेने के लिए सडक़ पार कर रही महिला को तेज रफ्तार बोलेरो ने मारी टक्कर,मौत

- संवाददाता -
सीतापुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-रायगढ़ मुख्यमार्ग पर स्थित गुतुरमा के पास मंगलवार की रात सडक़ पार कर रही महिला को तेज रफ्तार बोलेरो ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल महिला को इलाज के लिए अंबिकापुर के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे का सीसी टीवी फूटेज भी सामने आया है।

जानकारी के अनुसार सीतापुर थानाक्षेत्र के ग्राम लिचिरमा निवासी गंगोत्री पैकरा पति रामप्रसाद (55) मंगलवार को घर से सब्जी बेचने गुतुरमा गई थी। सब्जी बेचने के बाद शाम को घर लौट रही थी। तभी रास्ते में लिचिरमा चौक के पास बच्चों के लिए मिठाई खरीदने के लिए एनएच सडक़ को पार कर रही थी। उसी समय पत्थलगांव से सीतापुर की ओर तेज रफ्तार में जा रही बोलेरो ने महिला को टक्कर मार दी। बोलेरो की टक्कर से महिला उछलकर सडक़ पर गिर गई एवं गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला को तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक सवास्थ्य केंद्र सीतापुर ले जाया गया। यहां चिकित्सकों ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिजन उसे इलाज के लिए अंबिकापुर स्थित निजी अस्पतल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई।

पुलिस कर रही आरोपी की तलाश

घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हादसे के बाद बोलेरो का चालक वाहन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर लिया है। बोलेरो वाहन की तलाश की जा रही है।

CMYK

अदालत ने खारिज की हिंदू संत चिन्मय दास की अपील

कहा- तय तारीख पर ही होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

ढाका, 11 दिसम्बर 2024। बांग्लादेश की एक अदालत ने बुधवार को राजद्रोह के मामले में हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग को खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उनकी याचिका पर सुनवाई पहले तय की गई तारीख 2 जनवरी 2025 को होगी।

अदालत के अधिकारियों के मुताबिक, चटगांव मेट्रोपोलिटन सेशन जज सैफुल इस्लाम ने याचिका खारिज की,क्योंकि वकील के पास चिन्मय दास की ओर से याचिका दायर करने का अधिकार पत्र (पावर ऑफ अटॉर्नी) नहीं था। वकील रवींद्र घोष ने अदालत से याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। हालांकि, जब दूसरे वकील ने अदालत को बताया कि रवींद्र घोष के पास चिन्मय दास की ओर से उनका प्रतिनिधित्व करने का अधिकार पत्र नहीं है, तो जज ने उनकी जल्द सुनवाई की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि घोष ने कहा कि दास को झूठे और मनगढ़ंत मामले में फंसाया गया है, जबकि वे डायबिटीज, अस्थमा और अन्य बीमारियों से जूझ रहे हैं।

हालांकि, वकील ने यह माना कि उन्होंने चिन्मय दास से अधिकार पत्र हासिल करने के लिए जेल में उनसे मुलाकात नहीं की थी। उन्होंने कहा, अब मैं चिन्मय दास से

मिलने जेल जाऊंगा और उनसे अधिकार पत्र हासिल करूंगा। इससे पहले, तीन दिसंबर को होने वाली सुनवाई को अदालत ने 2 जनवरी 2025 तक के लिए स्थगित कर दिया था, क्योंकि उस दिन आरोपी की ओर से कोई वकील पेश नहीं हुआ था। अभियोजन पक्ष के सुझाव पर यह तारीख बदली गई थी।

दास के एक सहयोगी और उनके सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के सदस्य स्वतंत्र गौरंग दास ने पहले कहा था कि किसी भी वकील ने दास के लिए प्रतिनिधित्व नहीं किया, क्योंकि उन पर राजनीतिक रूप से प्रेरित वकीलों के समूह से दबाव था और धमकियां मिली थीं।

हवाई अड्डे से गिरफ्तार किए गए थे चिन्मय कृष्ण दास

चिन्मय कृष्ण दास पहले इस्कॉन से जुड़े रहे हैं। उन्हें 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। अगले दिन चटगांव की अदालत ने उन्हें जेल भेज दिया था और उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उन पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप था। दास की गिरफ्तारी के बाद उनके अनुयायियों ने ढाका और अन्य स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किए, जिसमें चटगांव में प्रदर्शन हिंस गया, जहां एक वकील की मौत हुई। इस वकील की मौत के बाद इस्कॉन पर बांग्लादेश में प्रतिबंध लगाने की मांग की गई। इस्कॉन ने भी यह कहते हुए दास से दूरी बना ली कि उन्हें छह महीने पहले संगठन से निकाल दिया गया था।

31 अक्तूबर को चटगांव के कोटवाली थाने में दास और उनके 18 अन्य सहयोगियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोप था कि उन्होंने बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया। जिसमें एक स्थानीय नेता भी शामिल था, जो पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की पार्टी बीएनपी का सदस्य था। लेकिन उसे पार्टी से निकाल दिया गया था।

एसटीपी से नाले के पानी का ट्रीटमेंट,गंगा को साफ रखने में सहायक होगा अंबिकापुर

» जल स्वच्छता और जल संवर्धन की दिशा में अंबिकापुर नगर निगम ने एक बड़ी पहल की है,जो गंगा को साफ रखने में सहायक होगा

» अंबिकापुर नगर निगम की बड़ी पहद्यल

– संवाददाता –
सरगुजा, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत अंबिकापुर नगर निगम ने जल स्वच्छता और जल संवर्धन दोनों ही दिशा में एक बड़ी पहल की है। अब अंबिकापुर में घरों और नालों से निकलने वाले गंदे पानी को ट्रीट कर रियूज किया जायेगा। इससे ना सिर्फ पानी का दुरुपयोग कम होगा, बल्कि जल के प्राकृतिक श्रोत भी स्वच्छ हो सकेंगे।

शहर में 3 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर शहर के तीन बड़े नालों के एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) लगाया जाना है. ये एसटीपी शहर के गंदे पानी को साफ करेंगे और उस पानी का दोबारा उपयोग भवन निर्माण, कृषि और सिंचाई कार्य में किया जा सकेगा। इसके उपयोग के बाद बचा हुआ पानी भी ट्रीट होने के बाद ही नदियों में छोड़ा जायेगा। इससे जलीय जंतुओं के संक्रमण का खतरा कम होगा। क्योंकि अंबिकापुर गंगा बेसिन शहरों में शामिल है. इस लिहाज से भी अब अंबिकापुर 100 फीसदी ट्रीटेड वाटर ही छोड़ेगा। जो गंगा में मिलकर उसे दूषित नहीं करेगा।

अंबिकापुर नगर निगम की बड़ी पहल

निर्माण कार्य की मिली स्वीकृति एसबीएम के नोडल ऑफिसर रितेश सैनी ने बताया कि नगर निगम अंबिकापुर क्षेत्र में गंदे पानी के उपचार के लिए केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय सामने आया है। अमृत 2.0 मिशन अंतर्गत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। इस प्लांट की स्थापना से नगर निगम अंबिकापुर में तरल अपशिष्ट का भी शत प्रतिशत प्रबंधन होगा। एसटीपी प्लांट के जरिए नगर के तीन मुख्य नाले की पानी का ट्रीटमेंट किया जाएगा।

अंबिकापुर के चंपा नाला, मुक्तिधाम नाला और सरगवां उद्यान नाला क्षेत्र में एसटीपी प्लांट की स्थापना की जानी है। वर्तमान में नगर से प्रतिदिन 18 एमएलडी अपशिष्ट जल उत्सर्जित हो रहा है। यह गंदा पानी इन नालों के जरिए बिना उपचार के जल स्त्रोत में मिलता है लेकिन अब इस प्लांट में प्रदूषित जल का उपचार किया जाएगा। जिसके बाद प्लांट के उपचारित जल का फिर से उपयोग किया जा सकेगा। इस जल का उपयोग निर्माण कार्य, उद्यान एवं खेतों में सिंचाई कार्य सहित उद्योगों में किया जाएगा

रितेश सैनी,
नोडल ऑफिसर, एसबीएम

तीन विधि से पानी का ट्रीटमेंट

जल शुद्धिकरण का नायाब फार्मूला बनाकर सुर्खियों में आए अम्बिकापुर के साइंटिस्ट डॉ प्रशांत बताते हैं कि घरों, होटलों और उद्योगों से निकलने वाले पानी में रासायनिक तत्व होते हैं। ये ना सिर्फ जलीय जीव को नुकसान पहुंचाते हैं, बल्कि जमीन की उपजाऊ क्षमता को भी नष्ट करते हैं। एसटीपी प्लांट में तीन विधि से जल को ट्रीट किया जाता है। अन्य किसी भी प्रयोग में तीन विधि से जल शुद्धिकरण नहीं किया जाता है।

पहले भौतिक विधि से पानी के भारी कणों को जमीन के बैठाया जाता है. उसके बाद रासायनिक विधि से युवी रेज और क्लोरीफिकेशन से पानी को ट्रीट किया जाता है इसके बाद जैविक विधि में बैक्टीरिया के जरिए से पानी को शुद्ध किया जाता है इसके बाद पानी का टीडीएस, पीएच, बीओडी, सीओडी नार्मल हो जाता है।

-डॉ प्रशांत,
साइंटिस्ट

123.28 करोड़ रूपए की लागत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोमवार को सरगुजा जिले के दौरे पर रहे इस दौरान सीएम साय ने नगर पालिक निगम अंबिकापुर क्षेत्र के लिए 3 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इन तीनों ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता 46 एमएलडी होगी, जो करीब 123.28 करोड़ रूपए की लागत से बनाए जा रहे हैं।

कौन हैं बेटिना एंडरसन?

जिनकी जूनियर ट्रंप के साथ रोमांटिक फोटो हुई वायरल;क्या मंगेतर किम्बर्ली से टूट गया रिश्ता

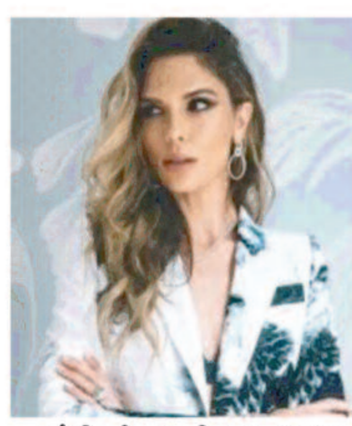

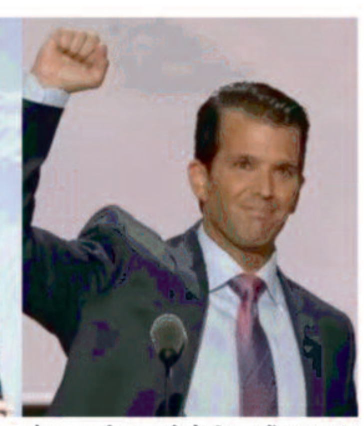

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर 2024। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे जूनियर डोनाल्ड की फ्लोरिडा की सोशलाइट बेटिना एंडरसन के साथ फोटो वायरल हो रही है। जूनियर ट्रंप को बेटिना एंडरसन के हाथ पकड़ते देखा गया। जूनियर डोनाल्ड की हाल ही में किम्बर्ली गुइलफॉय से सगाई हुई थी। अब उन्हें फ्लोरिडा के पाम बीच के आसपास एक रोमांटिक रात की सैर के दौरान फ्लोरिडा की सोशलाइट बेटिना एंडरसन के साथ हाथ पकड़े देखा गया था।

दरअसल ये फोटो बेटिना एंडरसन के जन्मदिन की है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि 46 साल के ट्रंप जूनियर अब 38 साल की एंडरसन को डेट कर रहे हैं और वह गिलफॉयल से अलग हो गए हैं। बता दें कि बेटिना और डॉन कुछ महीनों से एक साथ हैं, और एक साथ बहुत प्यारे और खुश हैं। सूत्र के मुताबिक, हर कोई उनके लिए खुश है!

डॉन और किम्बर्ली के रिश्ते में दरार

सूत्र ने दावा किया, डॉन और किम्बर्ली के बीच पिछले एक साल से नहीं बन रही है। दोनों साथ नहीं है, लेकिन अभी तक दोनों के ब्रेकअप को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वो लोगों के सामने तर्क-वितर्क करते हैं। कुछ भी पागलपन नहीं है, लेकिन जब कोई जोड़ा झगड़ रहा होता है तो आप जानते हैं। वे सार्वजनिक रूप से झगड़ते हैं। आउटलेट के अनुसार, दोनों के रिश्तों को लेकर कई लोगों ने ब्रेकअप की पुष्टि की थी।

इजरायल के एक्शन से सकते में दुनिया,हवाई हमलों के बाद अब सीरिया की नौसेना को किया ध्वस्त

दमिश्क, 11 दिसंबर 2024। सीरिया के एक युद्ध पर्यवेक्षक ने कहा कि इजरायल ने सीरिया में भारी हवाई हमले किए हैं और उसके सैनिक देश में और अंदर घुस गए हैं। इजरायली रक्षा मंत्री ने घोषणा की है कि उनकी सेना ने सीरिया की नौसेना को नष्ट कर दिया है। इस बीच इजरायल ने सीरिया के अंदर बफर जोन' में घुसने की बात स्वीकार की है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि उसके सैनिक उस क्षेत्र से आगे गए हैं या नहीं, जिसे 50 साल से भी पहले स्थापित किया गया था।

फिलहाल, इजरायल ने इस बात से इनकार किया है कि वह सीरिया की राजधानी दमिश्क की ओर बढ़ रहा है। इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश दक्षिणी सीरिया में एक विसैन्यीकृत क्षेत्र स्थापित करना चाहता है। काट्ज ने हाइफा में नौसेना अड्डे पर कहा कि सेना सीरिया में आतंकवाद को जड़ें जमाने से रोकने के लिए दक्षिणी सीरिया में हथियारों और आतंकवादी खतरों से मुक्त रक्षा क्षेत्र बनाएगी, जिसमें इजरायल की कोई स्थायी उपस्थिति नहीं होगी।''

ठंड के मद्देनजर स्कूलों का बदला समय

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिले में पड़ रही ठण्ड के कारण छात्रहित को ध्यान में रखते हुए सरगुजा जिले में संचालित होने वाले समस्त शासकीय अशासकीय अनुदान प्राप्त, अन्य सभी विद्यालयों के शाला संचालन समय में कलेक्टर सरगुजा द्वारा परिवर्तन किया गया है। प्राप्त जानकारी अनुसार दो पालियों में संचालित होने वाली शालाएं जिसमें प्रथम पाली के अंतर्गत सोमवार से शुक्रवार को प्रातः 08:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक एवं शनिवार को दोपहर 12:15 बजे से शाम 04:15 तक, तथा द्वितीय पाली के अंतर्गत सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 12:15 बजे से शाम 04:15 तक एवं शनिवार को प्रातः 08:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होंगे। इसी प्रकार एक पाली में संचालित होने वाली शालाएं सोमवार से शुक्रवार को प्रातः 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक एवं शनिवार को प्रातः 08:30 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक संचालित होगी।

कलेक्टर के सख्त निर्देश, एक्ट का उल्लंघन करने वालों पर होगी कड़ी कार्यवाही

» पीसी पीएनडीटी के संबंध में कलेक्टर ने नर्सिंग होम संचालकों की ली बैठक

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विलास भोसकर ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में प्राइवेट नर्सिंग होम के संचालकों की बैठक लेकर पीसी पीएनडीटी (प्री-कॉन्सेप्शन और प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक) नर्सिंग होम एक्ट के तहत काम करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बैठक में सरगुजा में गिरते लिंगानुपात पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सरगुजा के बेहतर भविष्य की बागडोर आज के हाथ में है। हमें आज ही इसे लेकर सतर्क होना होगा। उन्होंने कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि एक्ट के दायरे में काम नहीं करने वाले संस्थानों पर कड़ी कार्यवाही होगी।

सीएमएचओ डॉ पीएस मार्को ने जिले में लिंगानुपात की जानकारी देते हुए बताया कि अप्रैल से नवंबर 2024 तक जन्म के समय लिंगानुपात प्रति 1000 पुरुषों पर 943 महिलाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि जिले में 39 नर्सिंग होम हैं। बैठक में कलेक्टर ने अनुपस्थितों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि एक्ट का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्यवाही होगी, इसे ध्यान रखें। आने वाले समय में नर्सिंग होम के औचक निरीक्षण किए जाएंगे और किसी तरह की लापरवाही या उल्लंघन करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ शानदार आयोजन

800 से अधिक खिलाड़ियों ने उत्साह, जोश और जज़्बे के साथ जीत के लिए लगाया दम

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला स्तरीय युवा उत्सव एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता वर्ष 2024-25 का शानदार आयोजन बुधवार को शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के परिसर में हुआ। युवा उत्सव में 530 एवं महिला खेलकूद प्रतियोगिता में 294 प्रतिभागियों ने उत्साह, जोश और जज़्बे के साथ हिस्सा लिया। इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर, पार्षद श्री आलोक दुबे, श्री करता राम गुप्ता, श्री ललन प्रताप सिंह, श्री कैलाश मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, एवं जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में उपस्थित लुण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह अवसर प्रदर्शन के साथ अपनी क्षमताओं को दिखाने का है। अपनी रुचि के अनुसार आप जिस क्षेत्र में जाना चाहे जा सकते हैं। चाहे शिक्षा का क्षेत्र हो या खेल का, शिक्षा के साथ ही खेलकूद में भी भविष्य संवारने की अपार संभावनाएं हैं। जिस क्षेत्र में रुचि हो, उसमें अपना बेस्ट देते हुए आप आगे बढ़े और अपने जीवन को, भविष्य को सफल बनायें।

कार्यक्रम में उपस्थित छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष श्री विश्वविजय सिंह तोमर ने भी इस अवसर पर प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार में हमारे संवेदनशील मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश के युवाओं के लिए विभिन्न अवसर मिल रहे हैं। युवाओं के हित में कार्य किया जा रहा है, सीजीपीएससी की परीक्षा में पारदर्शिता के साथ रिजल्ट से युवाओं का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि इसी तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर आगे बढ़ें, जिला से राज्य और राज्य से राष्ट्रीय स्तर खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करें।

जिला स्तरीय युवा उत्सव 13 विधाओं पर आधारित था जिसमें सामूहिक लोक नृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोक नृत्य, एकल लोकगीत, कहानीलेखन, चित्रकला, तात्कालिक भाषण, कविता, विज्ञानमेला, हस्तशिला, टेक्सटाइल, कृषि उत्पाद, रॉक बैंड जैसी विधायक शामिल थी, जिसमें जिलेभर के सातों विकासखंड से 530 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। वहीं जिला स्तरीय महिला खेल प्रतियोगिता में वॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी, बैडमिंटन, बास्केटबॉल और रस्साकशी जैसी विधाओं में महिला खिलाड़ियों ने भाग लिया।

अनिश्चित कालीन हड़ताल को संपन्न कराने कर्मचारी पहुंच रहे हैं रायपुर,जल,विद्युत,वाहन,सफाई,सहित सभी आवश्यक कार्य हुए पूरी तरह से ठप

एमसीबी के सभी नागरिक निकाय कार्यालय में कर्मचारियों ने किया हड़ताल,चिरमिरी निगम में हड़ताल का दिख बड़ा असर

स्थाई कर्मचारियों को पिछले 4 माह 12 दिन से वेतन का नहीं हुआ भुगतान,वही ठेका श्रमिक भी तीन माह से हैं परेशान,पार्षदों एवं एल्डर मैंनो को भी नहीं मिल रहा मानदेय कैसे करेंगे सामाजिक सरोकार के कार्य

-संवाददाता-
चिरमिरी,11 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

नवयुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ के तत्वाधान में 11 दिसंबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की शुरुआत आज से सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में की गई है, छत्तीसगढ़ में एक साथ 184 निकाय के कर्मचारियों ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर 11 दिसंबर से रायपुर में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर रहेंगे, एमसीबी जिले से भी काफी संख्या में कर्मचारी रायपुर पहुंच चुके हैं और कुछ पहुंच रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार पूरा शहर थम सा गया है, पानी सप्लाई सफाई कार्यालय सहित कचरा परिवहन के लिए लगने वाले ड्राइवर पानी सप्लाई करने वाले टैंकर पार्कों में काम करने वाले कर्मचारी लगभग सभी हड़ताल पर चले गए हैं, संगठन के जिला स्तरीय पदाधिकारी पंचूराम साहू ने जानकारी देते हुए बताया कि निकाय के कर्मचारियों को ट्रेजरी के माध्यम से वेतन भुगतान करने ओल्ड वेतन योजना लागू करने अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करने 10 वर्ष की सेवा पूर्ण होने पर कर्मचारियों की पदोन्नति करने छठवें हुआ सातवें वेतनमान एरिया राशि भुगतान करने नगरी निकाय में ठेका पद्धति समाप्त करने सहित मांगे शामिल है इसके पूर्व ही दिनांक 12 नवंबर से 14 नवंबर 2024 तक 6 सूत्री मांगों को लेकर निकाय के कर्मचारियों ने बिलासपुर में हड़तालकर चुके हैं संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री सोनी ने बताया कि शासन 6 सूत्री मांगों पर कोई विचार नहीं कर रहा है सिर्फ आश्वासन दे रहा है वही नगरीय निकाय के कर्मचारी आगामी नगरी निकाय चुनाव में कोई भी कर्मचारी है या उनके परिवार सदस्य मतदान भी नहीं करेगा इस संबंध में कर्मचारियों से चुनाव में भाग में नहीं लेने संबंधित प्रपत्र फार्म भी भरवारा गया है जिससे निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ एवं विभागीय मंत्री नगरीय प्रशासन और विकास विभाग को भी पत्र प्रेषित किया गया वर्तमान में कई नगरीय निकायों में दो से चार माह का वेतन भुगतान लंबित है इस संबंध में राज्य शासन द्वारा नगरी निकायों में एक तारीख को वेतन भुगतान किए जाने हेतु आदेश को प्रसारित किया गया है किंतु नगरी निकायों के अधिकार आदेश का पालन सुनिश्चित नहीं कर पा रहे है।

कर्मचारियों को वेतन न मिलना बड़ी समस्या

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार चिरमिरी नगर निगम में स्थाई कर्मचारियों को लगभग चार महीना 12 दिन हो गए हैं आज तक किसी भी कर्मचारी को वेतन का भुगतान नहीं हुआ है वही अस्थाई कर्मचारियों की बात करें तो लगभग 3 महीना होने को है उन्हें भी का वेतन नहीं मिल पा रहा है वहीं पार्षद और एल्डर मेन को भी शासन की तरफ से जो मानदेय दिए जाते हैं पिछले 5, 6 माह से उन्हें भी नहीं दिया जा रहा है आखिर क्या वजह है कि दिन रात शासन के आदेशों के तहत घर परिवार छोड़कर आम जनमानस की सेवा करने वाले कर्मचारी आज अपने वेतन के लिए दर-दर भटक रहे, अपने वेतन के लिए जब कर्मचारी कमिश्नर से बात करते हैं तो कमिश्नर दो टूक कहते हैं कि जब सैलरी ऊपर से आई थी तो हम आपको भुगतान करते थे अब जब सैलरी ऊपर से नहीं आ रही है तो अपना घर बेचकर हम नहीं देंगे,, प्रतिमा लगभग दो करोड़ 70 लाख रुपया चिरमिरी निगम का ही सैलरी के तौर पर अधिकारी और कर्मचारियों को देना पड़ता है यदि हम चार माह की बात करें तो लगभग 10 से 12 करोड रुपए सिर्फ वेतन भुगतान चिरमिरि निगम का ही बकाया है,वहीं बिजली बिल भी लगभग 20 लाख रुपए का बकाया बताया जाता है डीजल पेट्रोल प्रदान करने वाली कंपनियां भी हाथ खड़ा कर रही हैं लगभग 15 लाख बकाया है। पार्षद निधि और ठेकेदारों और सप्लायरों के भुगतान लगातार हो रहे हैं आखिर क्या वजह है कि इस निगम में ठेकेदार सप्लायर एवं पार्षद दीदी का लगातार भुगतान किया जा रहा है वही उनका चेक काटने वाले उनके लिए कार्य करने वाले कर्मचारी जो पूरा अपना जीवन निगम सहित नगरी निकाय को समर्पित कर दिए हैं उनके साथ दोहरा माप दंड अपनाया जा रहा है एक कर्मचारी ने अपना नाम न छापने के शर्त पर बताया कि नगरी निकाय चुनाव सर पर है जनता के आंख में धूल झोंकने के लिए निर्माण एवं पार्षद निधि सहित अन्य पदों का भुगतान लगातार किया जा रहा है और कमीशन खोरी किया जा रहा है।

हाईस्कूल गंगापुर शाला भवन की हुई शुरुआत

-संवाददाता-
सूरजपुर,11 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

नव निर्मित हाई स्कूल गंगापुर के शाला भवन का लोकार्पण कर शाला परिवार को सौंपा गया ।

विकास खण्ड सूरजपुर के अंतर्गत हाई स्कूल गंगापुर का शाला भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने पर स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं क्षेत्र के विधायक एवं महिला बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े,जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा के साथ ग्राम के अन्य गणमान्य नागरिकों की विशेष उपस्थिति में तय किया गया था ,अंतिम समय में मंत्री महोदया को रायपुर जाने के कारण मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े की गरिमामई उपस्थिति में जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा, सरपंच गुलपति सिंह, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती, उपसरपंच रामप्रसाद राजवाड़े, ठाकुर सिंह पैकरा,अनिल जायसवाल, बहाल राजवाड़े, सुखदेव जायसवाल के द्वारा फीता काटकर नव निर्मित शाला भवन का लोकार्पण किया गया ।

जिला पंचायत सदस्य महेश्वर पैकरा ने शाला परिवार को नए शाला भवन मिलने पर बधाई देते हुए बताया कि शिक्षक पालक जनप्रतिनिधि मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराना है बच्चो को संस्कार के साथ शिक्षा की जरूरत है जिसे देने की जिम्मेदारी शिक्षको की है,जहां भी जरूरत होगा मेरा पूर्ण सहयोग रहेगा ।

मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर राजवाड़े ने अपने संबोधन में शासन की विभिन्न योजनाओं का जिक्र करते हुए बताया कि वर्तमान सरकार गांव गरीब का ध्यान रखने वाली सरकार है इन्होंने सभी पालकों से बच्चो को नियमित शाला भेजने का आग्रह करते हुए शिक्षकों से संस्कार के साथ शिक्षा देने को कहा है ,इन्होंने उपस्थित सभा को संबंधित करते हुए बताया कि युवा पीढ़ी को नशा से दूर रहने की जरूरत है आज नशा एक सामाजिक अभिशाप हो गया है जो घर परिवार के साथ समाज गांव प्रदेश देश के विकास में बाधक हो रहा है गांव के वरिष्ठ जनों को इस विषय पर विशेष ध्यान रखने की जरूरत है नशा समाज का नाश कर रहा हैं इसे सभी को समझने की जरूरत है।

सभा को चौकी प्रभारी विराट बीसी ने संबोधित किया इन्होंने परिवार के महत्व को बहुत अच्छे ढंग से रखते हुए सबको मिलजुल कर भाई चारा से रहने की बात कही साथ ही उपस्थित सभी गुरुजनों एवं अभिभावकों से बच्चों को संस्कार प्रदान करने की बात कही है इन्होंने बताया कि संस्कार है तो शिक्षा बहुत ऊंचाई तक लेकर जाती है ।

ग्रामीणों को भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रविंद्र भारती ने भी संबोधित किया इन्होंने ग्राम वासियों को नवनिर्मित शाला भवन की बधाई देते हुए सभी बच्चों से नियमित उपस्थित होकर शिक्षा प्राप्त करने की बात कहीं साथ ही पालकों से भी नियमित शाला आकर बच्चों की प्रोग्रेस रिपोर्ट लेने का आग्रह किया गया । इस अवसर पर ग्राम के पूर्व सरपंच ठाकुर सिंह पैकरा ने शाला परिवार के बच्चो को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वालों के साथ साथ सैला,सुआ नृतक दल को नगद राशि देकर सम्मानित किया गया । इस अवसर पर नरेश चौधरी, शिवप्रसाद राजवाड़े, किशुन सिंह पैकरा,अमर नाथ पैकरा, ईश्वर दयाल जायसवाल, ओम प्रकाश राजवाड़े,हरिलाल सिंह, सुखदेव राजवाड़े,मोहर सिंह, संतोष भास्कर,मृत्युंजय तिवारी,मंडल मैडम,सुरेन्द्र कुमार मिश्रा, अजय जायसवाल,उमा शंकर जायसवाल,यशवंत जायसवाल, फुलेश्वर ,अजीत सिंह,मनीष केहरी इत्यादि उपस्थित रहें।

शंकर बाबू शर्मा के निधन पर जिला आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा ने दी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अनूपपुर,11 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

समाजसेवी नागरिक, संयुक्त शहडोल जिले के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, लेखक, चिंतक, विचारक पं. शंकर बाबू शर्मा का 92 वर्ष की उम्र में रविवार की सुबह लंबी बीमारी के बाद आकस्मिक निधन हो गया। प्रमोद शर्मा राजेन्द्रग्राम एवं विनोद शर्मा (शंकर मेडिकल) अनूपपुर के पिता हैं एवं श्री शर्मा कांग्रेस की राजनीति में शंकर बाबू के नाम से विख्यात रहे हैं। जब केन्द्र और राज्य में कांग्रेस सरकार के समय पर शहडोल संसदीय क्षेत्र में शंकर विचारधारा, आध्यात्म और संस्कारों के लिये समर्पित रहे। वर्ष 1965 बाबू के नाम की तूती बोलती थी, अनूपपुर के विकास में उनका योगदान किसी मंत्री, सांसद, विधायक से कम नहीं रहा। उनके निधन के साथ ही क्षेत्र की राजनीति से सादगी, सदाचार शुचिता की राजनीति का भी अंत हो गया। 1932 में जन्मे शंकर बाबू का जीवन समाज, राष्ट्र से 1970 तक अनूपपुर के सरपंच,1977 मे अनूपपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी, वर्ष 2003 मे नगर परिषद अनूपपुर के कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार थे। जिला सहकारी बैंक शहडोल के डायरेक्टर, महाराष्ट्र बैंक के डायरेक्टर जैसे महत्वपूर्ण पदों पर वे रह चुके थे।आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के द्वारा शोक संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की गई है कि मृत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें और शोकाकुल परिवार को इस दुख को सहने की शक्ति प्रदान करें। जिसमें प्रमुख रुप से आर्यावर्त ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष विनोद विन्ध्येश्वरी पाण्डेय, जिलाध्यक्ष चैतन्य मिश्रा, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष प्रेम कुमार त्रिपाठी, पंडित दिवाकर शर्मा, सनत त्रिपाठी, विप्र समाज के संयोजक रामनारायण द्विवेदी, पवन छिब्बर, एडवोकेट बृजेंद्र पंत, बृजभूषण शुक्ला, मनोज द्विवेदी, मुनिराज मिश्रा, दिनेश मिश्रा, सीता शरण मिश्रा, कमलेश द्विवेदी, आशीष त्रिपाठी, राजेश पयासी, अमित शुक्ला, राजेश शुक्ला, अजीत मिश्रा, राजेश पाण्डेय, मनोज शुक्ला, रामबाबू चौबे, दीपक पांडे, सुधाकर मिश्रा, सुजीत मिश्रा, मयंक त्रिपाठी, नारायण द्विवेदी, चिनमय पाण्डेय, बृजेश तिवारी, राकेश गौतम, राकेश शर्मा, सोनाली पिंटू तिवारी, संतोष शुक्ला, दीपक शुक्ला, बाबूलाल पाठक, आशीष कुमार द्विवेदी, संदीप कुमार द्विवेदी, संतोष पांडे, रामखेलावन तिवारी, ओम प्रकाश शास्त्री, नवीन पांडे, किशन मिश्रा, श्रीकांत मिश्रा, प्रशांत मिश्रा, शशांक मिश्रा, कन्हैयालाल मिश्रा, राजेश द्विवेदी, मधुकर चतुर्वेदी, मुकेश तिवारी, मदन मोहन मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, अजय मिश्रा, मुकेश मिश्रा, संदीप गर्ग, धर्मेंद्रकांत तिवारी, पंडित शेष नारायण शुक्ला, पंडित जितेंद्र पांडे, पंडित संदीप मिश्रा आदि लोगों के साथ सर्व ब्राह्मण समाज पुष्पराजगढ़ बाबा हरिदास, संतोष मिश्रा, शीलवंत प्रसाद तिवारी, प्रमोद शर्मा, शिवानंद पांडे, नागेंद्र कुमार शुक्ला, शांति भूषण मिश्रा, मोनल तिवारी, सोनल तिवारी, अमन त्रिपाठी, लाल बहादुर दुबे, रामानंद त्रिपाठी, राजेंद्र चतुर्वेदी, पंडित शेष नारायण शुक्ला, पंडित जितेंद्र पांडे, पंडित संदीप मिश्रा आदि लोगों ने अपनी शोक संवेदना प्रगट की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज जिले मे 625.28 करोड़ के 284 विभिन्न विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन एवं लोकार्पण

-संवाददाता-
कोरबा,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आज कोरबा जिले के प्रवास पर रहेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय जिलेवासियों को 625.28 करोड़ से अधिक राशि के 284 विभिन्न विकास कार्यों का सौगात देंगे। जिसके अंतर्गत 17.43 करोड़ से अधिक राशि के 25 कार्यों का लोकार्पण एवं 607.85 करोड़ से अधिक राशि के 250 कार्यों का भूमि पूजन/शिलान्यास शामिल है। साथ ही 400 से अधिक विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को 02 करोड़ 69 लाख से अधिक राशि के सामग्री का वितरण करेंगे। समारोह का आयोजन कोरबा शहर के सीएसईबी फुटबॉल ग्राउंड में दोपहर 12 बजे आयोजित होगा। इस दौरान मुख्यमंत्री दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करने वाले 102 नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग वाणिज्य व श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे।

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202411020700171

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2024-25
लक्ष्मीपुर प.ह.नं.00023 (हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-बलिन्दर एक्का,
अनावेदक पक्षकार-केन्दी

ईश्तहार

आवेदक बलिन्दर एक्का आ0 सुन्दर राम एक्का व अन्य निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर तहसील अम्बिकापुर,जिला सरगुजा,छ0ग0 के द्वारा ग्राम लक्ष्मीपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 300/12, 306/4, 506/1,678/1 रकबा 0.155, 0.002, 0.085, 0.052, 0.156 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 23/12/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/11/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412020700097

विषयः-अ-6 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2024-25
हर्राटिकरा प.ह.नं.00024(402/9 (0.0080हे.)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-कर्मदेव गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार-सविता देवी

ईश्तहार

आवेदक कर्मदेव गुप्ता पिता बुधन गुप्ता निवासी ग्राम गंगापुरखुर्द तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम हर्राटिकरा स्थित भूमि खसरा नंबर 402/9 मेसे रकबा 0.008 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों में पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 30/07/2024 के माध्यम नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/01/2025 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांकः, 202412020700067

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणीः-
राजस्व सन्ः-2024-25
सांडवार प.ह.नं.00024 हे0)
पक्षकारों का विवरणः-
आवेदक पक्षकार-जीवन,
अनावेदक पक्षकार-छ0ग0 शासन

ईश्तहार

आवेदक जीवन आ0 माहिर, निवासी ग्राम सांडबार , तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया हैकि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सांडबार स्थित खसरा नंबर 141/3, 236/3 रकबा क्रमशः 0.134, 0.057 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेख ऑनलाईन बी-1 मे दर्ज नहीं है। जबकि पूर्व में उक्त भूमि आवेदक के पिता के नाम पर दर्ज था आवेदक द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27/12/2024 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/12/2024 को जारी किया जाता हैं।

सील — तहसीलदार अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-6/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकगण सुमीत अग्रवाल आ0 राम किशन अग्रवाल निवासी स्कूल रोड, अम्बिकापुर वगैरह के द्वारा इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदकगण द्वारा अनावेदक भीमसेन गोयल आ0 कश्मीरी लाल गोयल, निवासी सदर रोड अम्बिकापुर के स्वत्व एवं अधिपत्य की नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूमि शीट नं0 03, मोहल्ला-महामाया रोड, खसरा नं0 1485/6 में से रकबा 1744 वर्गफीट भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र, पंजीयन दिनांक 20/11/1992 के माध्यम से क्रय किया गया है, अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर आवेदकगण द्वारा क्रयशुदा उक्त भूमि के नजूल अभिलेख में अपना नाम दर्ज कराने हेतु विक्रय पत्र की छायाप्रति, मयदस्तावेज सहित आवेदन पत्र, अन्तर्गत धारा 109,110 छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 27/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 22/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि सुलोचना देवी पुत्री मोती साय उम्र लगभग 74 वर्ष जाति केशरवानी निवासी वार्ड क्रमांक-15 देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा मोहल्ला देवीगंज रोड नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 462, 463/1 रकबा क्रमशः 0.02, 1540.4 वर्गफीट भूमि को रूपये- 31,00,000-00 में अनावेदक संजीत कुमार सिंह आ0 जितेन्द्र प्रताप सिंह, संदीप सिंह आ0 जितेन्द्र प्रताप सिंह जाति क्षत्रिय निवासी वार्ड क्रमांक 15 देवीगंज वार्ड अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा, शपथ पत्र की छायाप्रति संहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तोअपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 16/12/2024 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 28/11/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-20(3)

आगामी तिथि 24/12/2024

इस सार्वजनिक ईश्तेहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक ना0ब0 प्रदीप कुमार साहू आ0 कन्हैयालाल, उम्र लगभग 16 वर्ष, द्वारा बली पिता कन्हैया लाल आ0 स्व0 भमसेन, उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी सेन्ट्रल बैंक गली सूरजपुर भैयाथान रोड, तहसील व जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि भीमसेन आ0 गुरभाली साहू के नाम पर नजूल भूमि खसरा नम्बर 1877/2893 रकबा 0.015 डिस्मिल स्थित है जिसमें 0.10 डिसमिल का वसीयत आवेदक के पक्ष में दिनांक 04/01/2021 को किया गया है। वसीयतकर्ता भीमसेन की मृत्यु दिनांक 03/02/2024 को हो गई है। वसीयत के आधार पर नामांतरण दर्ज किये जाने का अनुराध किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अपना अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 24/12/2024 को न्यायालयीन अवधि में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोईविचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 03/12/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी

सील — नजूल अधिकारी सूरजपुर

ग्राम पंचायत व नगर पंचायत की खींचातानी!

राजपत्र प्रकाशित होने के बाद भी पटना नगर पंचायत कार्यालय का बोर्ड नहीं लग पाया

ग्राम पंचायत नगर पंचायत का बोर्ड लगाने नहीं दे रहा और नगर पंचायत के अधिकारी पंचायत के हर निर्माण कार्य पर नोटिस जारी कर अवैध बता रहे हैं

-रवि सिंह-
कोरिया/पटना,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ में पहली बार ऐसा दृश्य देखने को मिल रहा होगा जो आज तक देखने को नहीं मिला, यह मामला है एक ग्राम पंचायत से नगर पंचायत बनने का, जहां ग्राम पंचायत से नगर पंचायत होने की खुशियां होनी थी, वहां खींचातानी जारी है, खींचातानी इस कदर जारी है की दो कार्यालय संचालित हो रहे हैं एक तो पंचायत कार्यालय जो पहले से ही था दूसरा नगर पंचायत बनते ही नगर पंचायत के अधिकारी बैठा दिए गए, ताकि पूर्ण तरीके से नगर पंचायत की कार्यवाही शुरू हो सके, इसके लिए राजपत्र से लेकर सारी वैधानिक कार्यवाही पूरी भी की गई, अब स्थिति यह है कि नगर पंचायत कार्यालय का बोर्ड नहीं लग पा रहा है, क्योंकि ग्राम पंचायत नहीं लगने दे रहा है, वहीं पंचायत के निर्माण पर नगर पंचायत कार्यालय के अधिकारी नोटिस जारी कर अपनी कार्यवाही करते हुए अवैध निर्माण बता रहे हैं, अब यह लड़ाई नगर पंचायत कार्यालय वर्सेस ग्राम पंचायत कार्यालय हो गई है। जहां एक तरफ नगर पंचायत कार्यालय का बोर्ड बनकर आता तो है पर वह बोर्ड सरपंच के घर में रखा जाता है, उस बोर्ड को नगर पंचायत कार्यालय में नहीं लगने दिया जाता है, अभी की स्थिति में ग्राम पंचायत कार्यालय का ही नाम लिखा हुआ है अब ऐसे में तनातनी की स्थिति निर्मित हो रही है और हो सकता है कि कानून व्यवस्था भी बिगड़ सकती है, वहीं दूसरी तरफ 12 दिसंबर को न्यायालय में लगी याचिका पर क्या निर्णय आता है इस पर भी लोगों की निगाहें टिकी होंगी क्योंकि 12 दिसंबर को सुनवाई है।

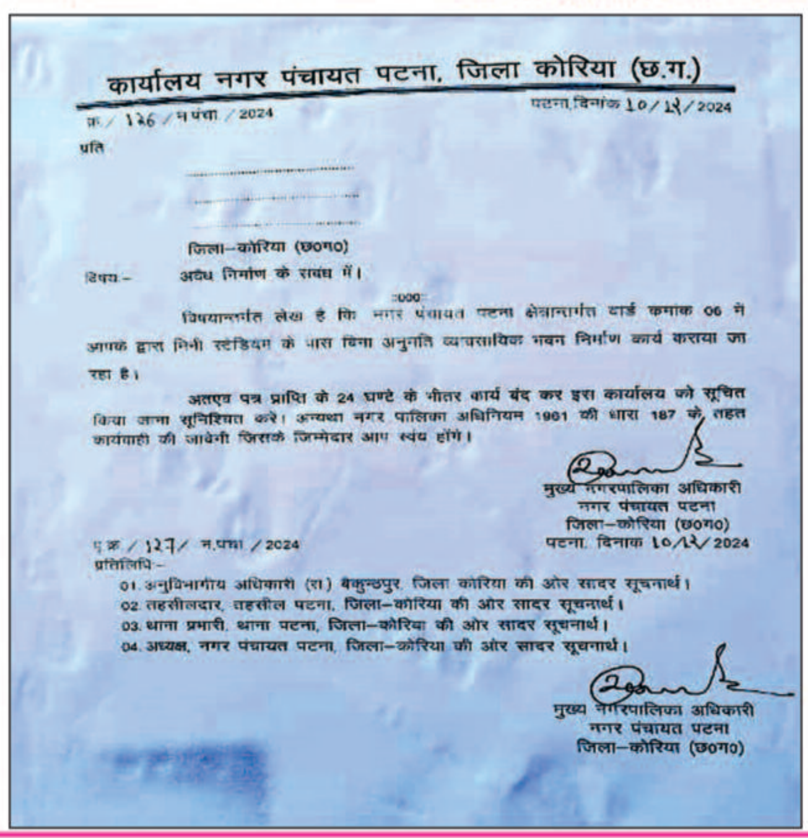
कार्यालय नगर पंचायत पटना, जिला कोरिया (छ.ग.)

क्र./126/न.पंचा./2024 पटना,दिनांक 10/12/2024

प्रति

....
....
....
जिला–कोरिया (छ0ग0)

विषय:– अवैध निर्माण के संबंध में।

:000:

विषयान्तर्गत लेख है कि नगर पंचायत पटना क्षेत्रान्तर्गत वार्ड कमांक 06 में आपके द्वारा मिनी स्टेडियम के पास बिना अनुमति व्यवसायिक भवन निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

अतएव पत्र प्राप्ति के 24 घण्टे के भीतर कार्य बंद कर इस कार्यालय को सूचित किया जाना सुनिश्चित करें। अन्यथा नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 187 के तहत कार्यवाही की जावेगी जिसके जिम्मेदार आप स्वयं होंगे।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पटना
जिला–कोरिया (छ0ग0)

पृ.क्र./127/न.पंचा./2024 पटना, दिनांक 10/12/2024

प्रतिलिपि:–
01. अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बैकुण्ठपुर, जिला कोरिया की ओर सादर सूचनार्थ।
02. तहसीलदार, तहसील पटना, जिला–कोरिया की ओर सादर सूचनार्थ।
03. थाना प्रभारी, थाना पटना, जिला–कोरिया की ओर सादर सूचनार्थ।
04. अध्यक्ष, नगर पंचायत पटना, जिला–कोरिया की ओर सादर सूचनार्थ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पटना
जिला–कोरिया (छ0ग0)

पंचायत अपना पूरा कार्यकाल पूरा करना चाहती है ताकि फंड खर्च कर सके फंड खर्च न कर पाए इसलिए नगर पंचायत अधिकारी डाल रहे अड़ंगा?

पंचायत की समिति अपना पूरा कार्यकाल समाप्त करना चाहती है जिससे वह अपना पूरा कार्यकाल पूर्ण कर सके और वह पूरा फंड खर्च कर सके वहीं नगर पंचायत सीएमओ यह नहीं चाहते कि पूरा फंड खर्च हो और वह इसीलिए अड़ंगा लगा रहे हैं। दोनों का अपना अपना स्वार्थ है और दोनों के स्वार्थ का मूल यदि देखा जाए तो पैसा है,पैसा कौन खर्चे करे यही विवाद की जड़ है वैसे नए सीएमओ भी पैसा खर्च करने में काफी उस्ताद नजर आ रहे हैं। अपने लिए साज सज्जा खेल के लिए जुगाड रहने के लिए हर सुविधा का वह ध्यान फंड से कर रहे हैं यह नजर आ रहा है।

क्या पटना सरपंच नगर पंचायत पटना की अध्यक्ष मनोनीत होने के बाद भी सरपंच बने रहना चाहती हैं?

वैसे पटना की निर्वाचित सरपंच को बकायदा राज्य सरकार ने प्रथम अध्यक्ष मनोनीत कर दिया है। सरपंच फिर भी अध्यक्ष नहीं बनना चाहती या वह खुद को अध्यक्ष नहीं कहलवाना चाहती। सरपंच की अब तक की मंशा को समझा जाए तो यही लगता है कि वह सरपंच ही रहना चाहती हैं। वैसे याचिका के पीछे और नगर पंचायत के विरोध में याचिकाओं का खर्च वही वहन कर रही हैं यह दबी जबान में लोग कह रहे हैं, वहीं लोगों का कहना है कि उनकी टीम के लोग भी उनके साथ अंदर ही अंदर यही चाहते हैं कि पटना अब नगर पंचायत न बने। वैसे यदि कांग्रेस की सरकार होती तो नगर पंचायत का विरोध नहीं होता और उनकी टीम के लोग भी सरपंच को विरोध से रोकते यह भी माना जा रहा है।

जब तक शपथ ग्रहण नहीं होगा तब तक क्या अध्यक्ष मान्य नहीं होंगे?

वैसे अध्यक्ष मनोनीत होने उपरांत भी सरपंच वर्तमान खुद को अध्यक्ष मानने को तैयार नहीं हैं वैसे क्या वह शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष खुद को मानेगी यह भी एक सवाल उठ रहा है। वैसे सरपंच विरोध में भी है क्या वह शपथ के लिए तैयार भी होंगी यह भी एक सवाल है।

आज 12 दिसंबर पर टीका है पटना सरपंच व नगर पंचायत अध्यक्ष का फैसला

आज 12 दिसंबर का दिन पटना नगर पंचायत के भविष्य के लिए निर्णायक होगा। क्या याचिका पर यह सुनवाई अंतिम होगी और नगर पंचायत ही बना रहेगा पटना। वैसे पटना नगर पंचायत के विरोध में लगी याचिका में यदि अगली तारीख मिलती है तो क्या वहां चुनाव होगा या नहीं नगरीय निकाय का जो अब संभावित है जल्द यह भी एक प्रश्न खड़ा होगा वहीं अंतिम रूप से निर्णय आने में यदि विलंब होता है तो क्या पटना चुनाव अधर में लटक जाएगा यह भी एक प्रश्न है।

जिला पंचायत भी पटना को मान चुका है नगर पंचायत

जिला पंचायत कोरिया ने भी मान लिया है कि पटना नगर पंचायत हो गया है बस नहीं मानने में वह हैं जो सरपंच के साथ हैं और उनके साथ ही पंचायत में पदाधिकारी हैं। वैसे यह माना जा रहा है कि लड़ाई श्रेय की भी है यदि यही सब कुछ पूर्व सरकार के कार्यकाल में होता अब तक नगर पंचायत पूर्ण अस्तित्व में होता वहीं अब चुकी श्रेय भाजपा नेताओं को मिल गया यही कारण है कि विरोध में अंदर से विपक्ष के लोग शामिल हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी ने आयोजित किया न्याता भोज,39 बच्चों को बांटे स्वेटर

-संवाददाता-
बैकुण्ठपुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता की पहल पर ग्राम पंचायत महोरा के आश्रित ग्राम जामझरिया में न्याता भोज का आयोजन किया गया। वही जिला शिक्षा अधिकारी ने ठंड को देखते हुए स्कूल के बच्चो को स्वेटर का वितरण किया। इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता का कहना है कि न्याता भोज के लिए जामझरिया को चुना गया, यहां बच्चो के साथ भोजन और विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेने का मौका मिला, उन्होंने बताया कि जनसहयोग से ठंड को देखते हुए सभी बच्चो के लिए स्वेटर की व्यवस्था की गई यहां वितरण करते ही बच्चो ने उसे पहना, काफी खुशी देखी गई बच्चो में, आगे भी इस पहल को हम जारी रखेंगे।
जानकारी के अनुसार बुधवार को ग्राम पंचायत महोरा के आश्रित ग्राम जामझरिया के प्राथमिक शाला पंडोपारा स्कूल में न्याता भोज का आयोजन किया गया, मौके पर जिला शिक्षा अधिकारी जितेंद्र गुप्ता के साथ बीईओ, स्कूल के शिक्षक, संकुल प्रभारी के साथ काफी संख्या में अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी श्री गुप्ता ने स्कूल पहुंचे तो बच्चो ने तिलक लगाकर उनका स्वागत किया, उन्होंने भी बच्चो को निराश नही किया, उंसके उपरांतउन्होंने कार्यक्रम का शुभारंभ माता सरस्वती के तैल चित्र का माल्यार्पण कर किया, उंसके बाद उन्होंने अपने साथ ठंड को देखते हुए स्वेटर का वितरण किया, जिसे देख बच्चो की खुशी का ठिकाना नही रहा, स्वेटर मिलते ही बच्चो ने उसे पहनना शुरू कर दिया, सभी बच्चे लाल रंग की स्वेटर में खूब जम रहे थे, उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी के साथ फोटो खिंचवाई। प्राथमिक शाला पंडोपारा संकुल जम गहना में जिला शिक्षा अधिकारी श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, विकासखंड शिक्षा अधिकारी देवेश कुमार जायसवाल, सहायक संचालक प्रकाश तिवारी, जनपद पंचायत बैकुंठपुर एडीओ ऋतु अग्रवाल, व्याख्याता सुनील जायसवाल प्राचार्य जमगहना यादव, स्टाफ के शिक्षक शिक्षिकाएं एवं शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष उप सरपंच संदीप दुबे किसान मोर्चा के अध्यक्ष अनिल जायसवाल उपस्थित थे।

बच्चो के साथ किया भोजन

जामझरिया पंडो बस्ती है, यहां के बच्चो के लिए न्याता भोज के आयोजन में पहुंचे जिला शिक्षा अधिकारी ने जमीन पर बैठकर भोजन करने का प्रस्ताव रखा जिस पर बच्चो ने सहमति दिखाई, फिर सभी एक साथ जमीन पर बैठे, उनके साथ गांव की महिलाओं ने भी इस आयोजन में शिरकत की, सभी ने एकसाथ भोजन किया, बच्चो ने आयोजन में विभिन्न तरह के नृत्य करके अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर सरपंच मुकेश सिंह, उप सरपंच संदीप दुबे, अनिल जायसवाल, देवेश जायसवाल, राम भजन जायसवाल, राकेश त्रिपाठी राकेश पांडेय, जितेंद्र साहू, कुसुम लता तिर्की, पटेल मैडम, अनुपमा लकड़ा, सुनील जायसवाल, पटवारी भरत कुमार और शिक्षिका अर्चना मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

पटवारियों का ट्रांसफर क्या उगाही का बना जरिया?

24 पटवारियों का स्थानांतरण होता है पर सिर्फ 9 पटवारी ही भारमुक्त होते हैं बाकी को क्या अभयदान दिया जाता है?

प्रभाव सील पटवारी अपना स्थानांतरण यथावत करवा पाने में कैसे सफल हुए?

3 महीने में तीन तबादला सूची में 37 पटवारियों का तबादला होता है पर सिर्फ 10 से 12 लोग ही इसका पालन करते हैं बाकी यथावत हो जाते हैं

जो पटवारी रसूखदार है उनका स्थानांतरण करने में अधिकारी भी कतराते हैं?

कार्यालय कलेक्टर (भू-अभिलेख शाखा) कोरिया, बैकुण्ठपुर (छ0ग0)

24 पटवारियों की स्थानांतरण सूची

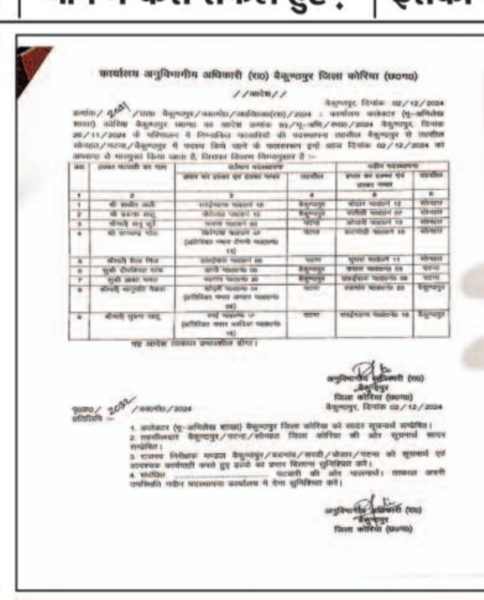
कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0) बैकुण्ठपुर जिला कोरिया (छ0ग0)

भारमुक्त हुए 9 पटवारियों की सूची

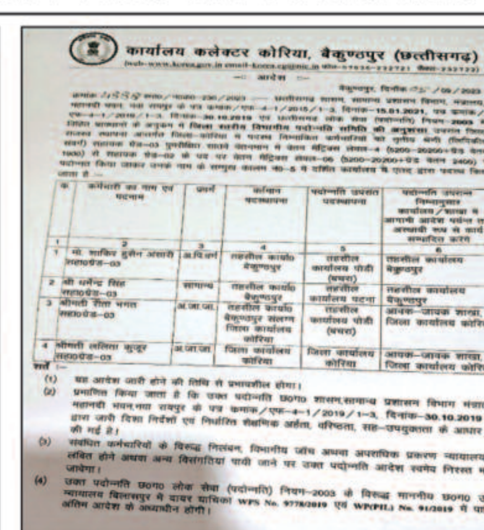
कार्यालय कलेक्टर कोरिया, बैकुण्ठपुर (छत्तीसगढ़)

मोहम्मद शाकिर हुसैन अंसारी प्रमोशन पाते हैं तो भी नहीं जाते हैं और तबादला होता है तो भी नहीं जाते हैं।

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर,11 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।
तबादला नीति हमेशा ही निष्पक्ष रहे इसी उद्देश्य से बनाई गई थी, ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके, तबादला नीति को अमली जामा पहनाने वाले जिम्मेदार निष्पक्ष तरीके से तबादला कर एक स्वस्थ प्रशासन बना सके यह तबादला नीति का उद्देश्य था पर क्या इस उद्देश्य का परिपालन हो रहा है या फिर सिर्फ यह तबादला नीति लुट खसोट करने के लिए रह गई है, कुछ ऐसा ही जिला कोरिया में राजस्व विभाग की मनमानी कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि पटवारियों की तबादला सूची जारी तो होती है व्यवस्थाओं के तहत पर पटवारी सिर्फ वही नवीन पदभार ग्रहण करते हैं जिनके पास कोई प्रभाव भी नहीं होता है, बाकी प्रभाव वाले पैसा देकर अपना स्थानांतरण यथावत करने वाले सिर्फ उस सूची में नाम गिनवाने के लिए होते हैं, बाकि स्थिति क्या है यह किसी से छुपी नहीं है अब अधिकारी भी ऐसी सूची क्यों जारी करते हैं यह भी जांच का विषय है? क्या अधिकारी अपनी कमाई

के लिए ऐसी सूची जारी करते हैं ताकि लोग अपने कमाई वाले जगह से जाने की बजाय दान दक्षिणा चढ़ा कर जाएं?
सूत्रों की माने तो जिले में राजस्व विभाग में ऐसा ही कुछ देखने को मिल रहा है। राजस्व विभाग में यदि पटवारियों के स्थानांतरण से जुड़ा मामला कुछ महीने के दौरान का देखा जाए तो 3 महीने में तीन तबादला सूची जारी हुई और कुल 37 पटवारियों व बाबू का तबादला सूची अनुसार हुआ लेकिन जारी सूची और कुल सही मायने में तबादले वाली जगह जाकर कार्यभार ग्रहण करने वाले पटवारियों की संख्या में काफी अंतर है। कार्यभार नई जगह ग्रहण करने वाले पटवारियों की कुल संख्या कुल स्थानांतरित किए गए पटवारियों से काफी कम है और जब इसके कारण का पता करने का प्रयास किया गया तो यह बात सामने आई कि जो पटवारी जुगाड़ू हैं या जो अपना पुराना जगह नहीं छोड़ना चाहते वह अधिकारियों से मिलकर अपना भारमुक्ति का आदेश रुकवा लेते हैं वहीं जो पटवारी इसमें सफल नहीं हुए उन्हें जाना पड़ता है नई जगह। कुल मिलाकर माना जा रहा है कि तबादला सूची जारी ही लेनदेन के लिए किया जा रहा है और पूरा मामला चढ़ावा वाला समझ में आ रहा है। वैसे देखा जाए तो कई पटवारी ऐसे हैं जो वर्षों से एक जगह हैं या फिर यदि उन्हें हटाया भी गया है तो वह ऐसी जगह गए हैं जहां उन्हीं की मांग या मंशा रही है।

क्या रसूखदार पटवारी व बाबू के चंगुल में अधिकारी?

स्थानांतरण आदेश को जिस तरीके से उल्लंघन पटवारी व बाबू कर रहे हैं उसे देखकर यही लगता है कि पटवारी व बाबू के चंगुल में अधिकारी हैं? स्थानांतरण आदेश जारी तो होता है पर उससे पहले उनकी पैरवी आ जाती है सिर्फ उनका नाम सूची में गिनने के लिए ही दर्ज रहता है, फिर भारमुक्त आदेश जो आता है उसमें सिर्फ नौ लोग ही भारमुक्त होते हैं बाकी न जाने किसके प्रभाव में 15 यथावत हो जाते हैं, क्यों इन्हें भारमुक्त नहीं किया गया यह बड़ा सवाल है? पर सवाल के साथ अधिकारियों के कार्य प्रणाली भी संधास्पत लग रही है।

क्या सिर्फ वही पटवारी जिले के अंतिम छोर में जाएंगे जिनके पास नहीं है कोई पैरवी?

अंतिम छोर में यदि तबादले के बाद किसी को भेजा जाता है तो वह व्यक्ति जाता है जो प्रभावशील नहीं होता है या फिर उसकी पैरवी तगड़ी नहीं होती है, जिस पटवारी व बाबू के पास अच्छी पैरवी व प्रभावशील व रसूखदार होता है उसे जिले के अंतिम छोर में नहीं भेजा जाता है, जबकि उसके जगह महिलाएं भले से अंतिम छोर में चले जाएंगी, भले ही उनके लिए क्यों ना परेशानी का सब बन जाए।

मलाई वाले जगह सिर्फ वही पटवारी पदस्थ होंगे के जिनके पास है पैररवी व अधिकारियों पर चढ़ावा चढ़ाने की कला?

सूत्रों का कहना है कि स्थानांतरण सूची भले जारी हो जाती है पर जिसका चढ़ावा पहुंच जाता है और पैरवी हो जाती है उसे यथावत रहना पड़ता है, कुछ ऐसा ही एक सहायक ग्रेड 3 बाबू है जो तहसील कार्यालय बैकुंठपुर में पदस्थ हैं इनका नाम है मोहम्मद शाकिर हुसैन अंसारी प्रमोशन पाते हैं तो भी यहां से नहीं जाते हैं और तबादला सूची में नाम आता है तो भी नहीं जाते हैं, 2023 में इनका प्रमोशन होता है और इन्हें बेचारा पौड़ी स्थानांतरित किया जाता है पर यह अपना प्रभाव में इतने मशगूल हैं इसे यह प्रतीत होता है कि यह कितने प्रभावशील बाबू हैं जिनके लिए अधिकारियों का आदेश कोई मायने नहीं रखता?

टेस्ट टीम से बाहर चल रहे अजिंक्य रहाणे टी 20 में मचा रहे गदर

» अब खेली एक और तूफानी पारी

नईदिल्ली, 11 दिसम्बर 2024। अजिंक्य रहाणे भले ही इस वक्त टेस्ट टीम से बाहर चल रहे हों, लेकिन वे टेस्ट के बल्लेबाज ही माने जाते रहे हैं। हालांकि इस वक्त रहाणे टी20 में भी अपने बल्ले से धूम मचा रहे हैं। रहाणे इस वक्त सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेल रहे हैं और करीब करीब हर मुकाबले में अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका अदा कर रहे हैं। विदर्भ के खिलाफ अजिंक्य रहाणे ने 84 रनों की तूफानी पारी खेली।

रहाणे ने केवल 45 बॉल पर जड़ दिए 84 रन,10 चौके और तीन छक्के लगाए

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेल रहे अजिंक्य रहाणे ने विदर्भ के खिलाफ 45 बॉल पर 84 रनों की शानदार पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 10 चौके और तीन आसमानी छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट करीब 186 का रहा। इस बीच उनकी जोड़ी पृथ्वी शॉ के साथ जमी, जिन्होंने 26 बॉल पर 49 रनों की आकर्षक पारी खेली। हालांकि वे अपना अर्धशतक पूरा नहीं कर पाए। विदर्भ की ओर से दिए गए 222 रनों के टारगेट को मुंबई ने चार गेंद शेष रहते ही हासिल कर लिया और सीधे सेमीफाइनल में एंट्री कर ली।

लगातार टी 20 में शानदार खेल दिखा रहे हैं रहाणे

ऐसा नहीं है कि अजिंक्य रहाणे ने केवल इसी मैच में अपने बल्ले की धमक दिखाई हो। इससे पहले आंध्र प्रदेश के खिलाफ रहाणे ने 53 बॉल पर 95 रनों की पारी खेलकर सभी को चौंका दिया था। हालांकि सर्विसेज के खिलाफ वे केवल 22 रन ही बना सके। लेकिन इससे भी पहले उन्होंने केरल के खिलाफ 35 बॉल पर 68 रन बनाए थे। इससे पहला चलता है कि रहाणे इस वक्त टेस्ट कम और टी20 के बल्लेबाज ज्यादा बन गए हैं। टीम इंडिया के लिए वे खेलेंगे या नहीं, ये तो पता नहीं, लेकिन कुछ ही वक्त बाद उनका जलवा आईपीएल में जरूर दिखाई देगा।

आईपीएल 2025 में केकेआर के लिए खेलेंगे रहाणे

आईपीएल 2025 के लिए उन्हें केकेआर ने अपनी टीम में शामिल किया है। वे डेढ़ करोड़ के बेस प्राइज पर नीलामी में आए थे, इसी कीमत पर उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीद लिया। इससे पहले वे दो साल वे सीएसके के लिए भी खेल चुके हैं। साल 2024 से लेकर अब तक अब तक केवल 2022 में ही ऐसा हुआ कि वे आईपीएल नहीं खेल पाए, बाकी हर साल उनका जलवा वहां भी दिखाई देता है। अब देखना ये होगा कि जो फार्म रहाणे का इस वक्त चल रहा है, क्या वो आईपीएल तक जारी रह पाएगा।

वेंकटेश अय्यर का रहा शानदार प्रदर्शन

» रजत पाटीदार-हरप्रीत सिंह के कैमियो से मध्य प्रदेश को मिली जीत

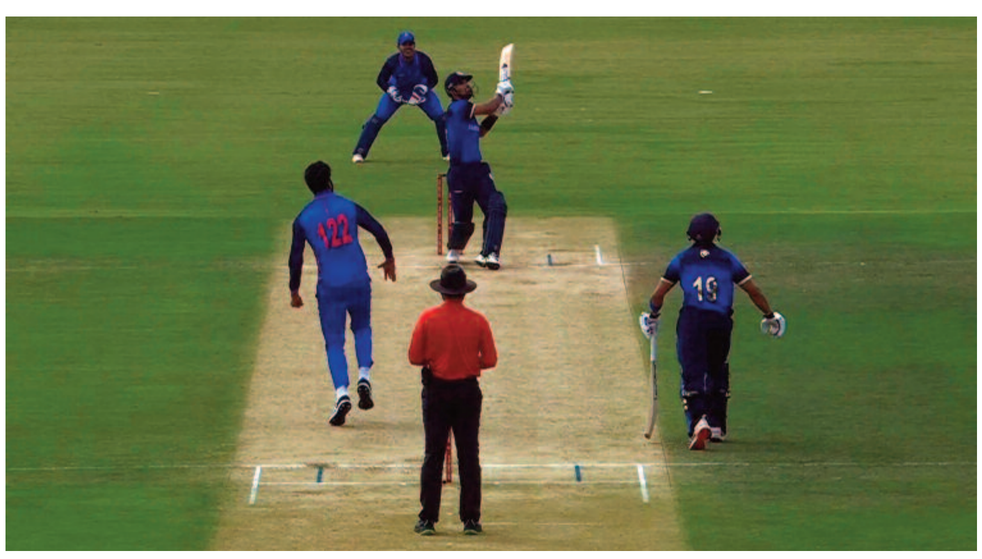

भोपाल, 11 दिसम्बर 2024। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मध्य प्रदेश और सौराष्ट्र के बीच में मुकाबला खेला गया। जहां मध्य प्रदेश ने सौराष्ट्र को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अलूर के केएससीए क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए टूर्नामेंट के तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश ने टॉस जीता और गेंदबाजी का फैसला किया। सौराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चिराग जानी के अर्धशतक की मदद से 20 ओवर में 7 विकेट पर 173 रन बनाए।

चिराग जानी 8 चौके और 4 छक्के की मदद से 45 गेंद में 80 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, उन्हें दूसरे छोरे पर्याप्त सहयोग नहीं मिला। चिराग जानी को छोड़ दिया जाए तो सौराष्ट्र का कोई भी दूसरा बल्लेबाज 17 रन से ज्यादा को स्कोर नहीं कर पाया। मध्य प्रदेश की ओर से वेंकटेश अय्यर ने 3 ओवर में 23 और आवेश खान ने 4 ओवर में 51 रन देकर 2-2 विकेट लिए। त्रिपुरेश सिंह, राहुल बाथम और शिवम शुक्ला भी 1-1 विकेट लेने में सफल रहे। लक्ष्य का पीछा करने उतरी मध्य प्रदेश ने 19.2 ओवर में 4 विकेट पर 174 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। मध्य प्रदेश का एक समय स्कोर 12.5 ओवर में 3 विकेट पर 102 रन था। उसे 43 गेंद में जीत के लिए 72 रन बनाने थे। इसके बाद वेंकटेश अय्यर और रजत पाटीदार ने चौथे विकेट के लिए अगली 28 गेंद में 43 रन जोड़े और स्कोर 145 रन पर पहुंचाया। इसी स्कोर पर रजत पाटीदार 28 रन बनाकर पवेलिय लौट गए।

रजत पाटीदार ने अपनी 18 गेंद की पारी के दौरान 3 चौके और एक छक्का लगाया। रजत पाटीदार की जगह हरप्रीत सिंह भाटिया बल्लेबाज के लिए आए। मध्य प्रदेश को आखिरी 2 ओवर में 24 रन की जरूरत थी। लक्ष्य कतई आसान नहीं था, लेकिन हरप्रीत सिंह भाटिया ने 22 रन ठोककर मध्य प्रदेश की झोली में जीत डाल दी।

स्मृति मंधाना ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

ऐसा करिश्मा करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर बनीं

पर्थ, 11 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के पहले दोनों मैच गंवाने के बाद टीम इंडिया तीसरे वनडे में सम्मान बचाने के लिए खेल रही है। पर्थ के वाका ग्राउंड में खेले जा रहे इस तीसरे मैच में भारतीय टीम को 299 रनों का बड़ा टारगेट मिला है जिसका पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने बड़ा कारनामा कर दिया है। एनाबेल सदरलैंड के शानदार शतक के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 6 विकेट खोकर 298 रनों का स्कोर खड़ा किया। एनाबेल सदरलैंड ने 95 गेंदों पर 9 चौके और 4 छक्कों की मदद से 110 रनों की पारी खेली।सदरलैंड के अलावा ताहिलिया मैक्ग्रा और एश्ले गार्डनर ने शानदार अर्धशतक जड़े।

ऑस्ट्रेलिया के विशाल स्कोर के जवाब में भारतीय सलामी जोड़ी का आगाज बेहद खराब रहा। रिचा घोष 16 रन के टीम स्कोर पर ही पवेलियन लौट गईं। इसके बाद हरलीन देओल ने स्मृति मंधाना का साथ दिया और दूसरे विकेट के लिए 100 रनों से ज्यादा की साझेदारी कर डाली। इस दौरान स्मृति मंधाना अपना अर्धशतक पूरा करने में कामयाब रहीं। हरलीन (39 रन) के रुप में भारत को 134 रन के स्कोर पर दूसरा बड़ा झटका लगा। इसके बाद मैदान पर आईं भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर कुछ खास नहीं कर सकी और सिर्फ 12 रन बनाकर एनाबेल सदरलैंड का शिकार बन गईं। भारतीय टीम को तीसरा झटका लगने के कुछ देर बाद ही स्मृति मंधाना ने अपना शतक पूरा कर लिया।

मंधाना का बड़ा करिश्मा

स्मृति मंधाना ने 34 वें ओवर की आखिरी गेंद पर डबल रन चुराते हुए वनडे में अपना 9 वां शतक जड़ा। उन्होंने 103 गेंदों पर 13 चौके और 1 छक्के की मदद से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में दूसरा सैकड़ा जड़ा। इस तरह मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2 वनडे शतक जड़ने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बन गई हैं। इससे पहले कोई भी भारतीय महिला क्रिकेटर ये बड़ा कारनामा नहीं कर सका था। मंधाना ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर एक से अधिक वनडे शतक बनाने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी बन गई हैं। यही नहीं, मंधाना के बल्ले से इस साल आया ये चौथा वनडे शतक है और उन्होंने एक बड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। मंधाना वनडे क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में 4 शतक लगाने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर बन गई हैं।

एक कैलेंडर ईयर में वनडे में सबसे ज्यादा शतक जड़ने वाली महिला क्रिकेटर

4 - स्मृति मंधाना (2024)
3 - बेलिंडा क्लार्क (1997)
3 - मेग लैनिंग (2016)
3 - एमी सैटरथवेट (2016)
3 - सोफी डिवाइन (2018)
3 - सिदरा अमीन (2022)
3 - नैट साइवर-ब्रंट (2023)
3 - लॉरा वोल्वार्ड्ट (2024)

मोहम्मद शमी पर भारी पड़े हार्दिक पांड्या

बंगाल को हराकर बड़ौदा मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

नईदिल्ली, 11 दिसम्बर 2024। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का क्वार्टर फाइनल मैच बड़ौदा और बंगाल के बीच खेला गया। ये मैच टीम इंडिया के दो बड़े स्टार खिलाड़ियों के बीच भी एक जंग की तरह था। ये खिलाड़ी हैं हार्दिक पांड्या जो बड़ौदा की तरफ से खेल रहे थे और मोहम्मद शमी जो बंगाल की तरफ से खेल रहे थे। लेकिन हार्दिक पांड्या की बड़ौदा टीम बंगाल पर भारी पड़ी और जीत दर्ज करते हुए मुश्ताक अली ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच गई।

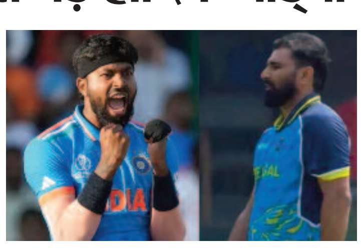

हार्दिक पांड्या बल्लेबाजी में कुछ खास नहीं कर सके थे और वे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे थे और 11 गेंदों में सिर्फ 10 रन बना सके थे। लेकिन गेंदबाजी में उन्होंने कमाल किया और 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट लिए और टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

एडिलेड में हेड के खिलाफ सिराज की आक्रमकता देखकर थोड़ा चिंतित हो गया था: पोंटिंग

दुबई, 11 दिसम्बर 2024। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि एडिलेड में खेले गए दूसरे बॉर्डर-गावस्कर टेस्ट में ट्रेविस हेड और मोहम्मद सिराज के बीच हुई घटना सिर्फ गलतफहमी थी और इसे अनजाने में हुई घटना करार दिया।यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 82वें ओवर में हुई। सिराज ने 140 रन पर खेल रहे हेड को एक शानदार यॉर्कर से बोल्ड कर दिया। इसके बाद सिराज ने आक्रामक तरीके से उन्हें पवेलियन लौटने का इशारा किया। हेड ने भी सिराज को पलटकर जवाब दिया, फिर अपने घरेलू दर्शकों की तालियों के बीच पवेलियन लौट गए।इसके बाद, सिराज जब भी गेंदबाजी या फील्डिंग के लिए आए, एडिलेड की भीड़ ने जोर-जोर शो बोलकर कर अपना गुस्सा जताया। पोंटिंग ने कहा, अब पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि यह सब अनजाने में हुआ। शुरुआत में किसी का इरादा गलत नहीं था। लेकिन फिर यह सब गलतफहमी में बदल गया, जिससे ऐसा हुआ।

अक्षय कुमार की फिल्म भूत बंगला की रिलीज तारीख से उठा पर्दा

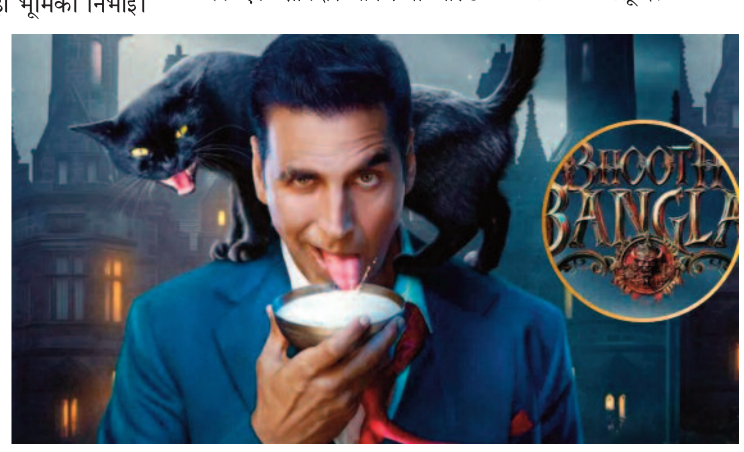

अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म भूत बंगला को लेकर काफी एक्साइडेट है। उनकी यह फिल्म एक हॉरर कॉमेडी है. खिलाड़ी कुमार ने अपने इस फिल्म को लेकर एक नया अपडेट दिया है। उन्होंने भूत बंगला की शूटिंग और रिलीज डेट का खुलासा किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है।अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी अपकमिंग फिल्म भूत बंगला का नया पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर पर फिल्म की रिलीज डेट दी गई है। भूत बंगला के बारे में जानकारी देते हुए अक्षय कुमार ने अपने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, आज हम अपनी हॉरर कॉमेडी भूत बांग्ला की शूटिंग शुरू कर रहे हैं,इसलिए मैं अपने फेवरेट प्रियदर्शन के साथ सेट पर आने को लेकर काफी एक्साइडेट हूं। ये डर और हंसी का डबल डोज आपके लिए तैयार होगा 2 अप्रैल, 2026 को। तब तक के लिए आपको शुभकामनाएं दें।मेकर्स ने अक्षय कुमार के बर्थडे पर इस प्रोजेक्ट का एलान किया था। फिल्म मेकर प्रियदर्शन ने इंस्टाग्राम पर फिल्म से अक्षय कुमार का पोस्टर जारी करते हुए लिखा, 14 साल बाद, मैं अपने पुराने दोस्त अक्षय कुमार के साथ हॉरर-कॉमेडी फिल्म में फिर से काम कर रहा हूं, यह एकता कपूर के साथ मेरा पहला कोलैबोरेशन है। कुछ खास के लिए तैयार हो जाइए। भूत बंगला।14 साल पहले 2007 में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन हॉरर कॉमेडी भूल भुलैया के लिए एक साथ आए थे। भूल भुलैया अक्षय कुमार के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्मों की लिस्ट में शामिल है। इस फिल्म से अक्षय कुमार को साल 2007 का बेस्ट एक्टर का अवार्ड भी मिला था।

ब्लैक गाउन पहन रकुल प्रीत सिंह ने शेयर किया हॉट लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज पर उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनकी कातिल अदाएं सोशल मीडिया पर आते ही बवाल मचाने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।रकुल प्रीत सिंह जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने ब्लैक कलर का गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं।बालों को पोनी स्टाइल लुक में बांधकर और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। रकुल प्रीत सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

डिस्पैच का नया पोस्टर जारी

मनोज बाजपेयी के साथ दिखीं शहाना गोस्वामी

पिछले लंबे समय से दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी अपनी आने वाली फिल्म डिस्पैच को लेकर चर्चा में बने हुए हैं, जिसके निर्देशन की कमान कनु बहल ने संभाली है।इस फिल्म में वह पहली बार एक निडर पत्रकार की भूमिका में नजर आएंगे। शहाना गोस्वामी भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाते हुई दिखाई देंगी।अब निर्माताओं ने डिस्पैच का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें मनोज और शहाना की झलक दिख रही है।डिस्पैच को सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म को आप 13 दिसंबर, 2024 से जी5 पर देख पाएंगे।निर्माताओं ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, कड़वी सच्चाई को निगलना आसान नहीं होगा।डिस्पैच का प्रीमियर बीते दिनों गोवा में आयोजित इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में किया गया था। वहां फिल्?म को खूब तारीफ मिली थी।फिल्म का ट्रेलर पहले ही रिलीज हो चुका है, जिसे प्रशंसक खूब पसंद कर रहे हैं।

सीएम की कैबिनेट बैठक में लिए गए कई बड़े फैसले

» युवाओं और किसानों के लिए सीएम विष्णु देव का बड़ा ऐलान...

» कैबिनेट बैठक में लिए 3 बड़े फैसले...

» अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए पुलिस भर्ती में छूट...

» खेल प्रोत्साहन योजना के तहत को आर्थिक सहायता...

» पंचायत राज, नगर निगम और जीएसटी विधेयक में संशोधन...

» एसटी युवाओं को भर्ती में छूट, सहित ये है सरकार के बड़े फैसले...

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक खत्म हो गई है। यह बैठक नया रायपुर में आयोजित की गई थी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कैबिनेट की बैठक में निम्न बड़े फैसले लिए गए

* मंत्रिपरिषद द्वारा द्वितीय अनुपूरक अनुमान वर्ष 2024-2025 का विधानसभा में उपस्थापन के लिए छत्तीसगढ़ विनियोग विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के युवाओं के छत्तीसगढ़ पुलिस में भर्ती के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए उम्मीदवारों के लिए ऊंचाई और सीना के निर्धारित मापदण्ड में एक बार के लिए छूट प्रदान करने का निर्णय लिया। जिसके तहत छत्तीसगढ़ पुलिस में सूबेदार, उपनिरीक्षक संवर्ग, प्लाटून कमाण्डर की सीधी भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2024 में निर्धारित न्यूनतम ऊंचाई 163 सेंटीमीटर तथा सीना बिना फुलाये 78 से.मी. एवं फुलाने पर 83 से.मी. केवल अनुसूचित जनजाति वर्ग के पुरूष अभ्यर्थियों के लिए केवल एक बार के लिए छूट देने का निर्णय लिया गया है।
* छत्तीसगढ़ विधानसभा सदस्य वेतन, भत्ता तथा पेंशन (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ राज्य में डेयरी उद्यमिता को प्रोत्साहन देने एवं दुग्ध संकलन तथा प्रसंस्करण में वृद्धि हेतु राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ एम.ओ.यू. करने का निर्णय लिया गया। इससे नवीन तकनीक के उपयोग के साथ ही दुग्ध महासंघ के प्रसंस्करण क्षमता में वृद्धि होगी. अनुसूचित क्षेत्रों में दुधारू पशु उत्प्रेरण से स्वरोजगार में वृद्धि के साथ ही दुग्ध उत्पादन की लागत कम होगी तथा दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि के साथ ही प्रदेश के दुग्ध उत्पादक कृषकों के दुग्ध विक्रय के लिए सुदृढ़ व्यवस्था स्थापित हो सकेगी।
* छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता, 1959 में संशोधन बाबत् छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ अनधिकृत विकास का नियमितिकरण (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* राजधानी रायपुर में 15 जनवरी से 15 फरवरी 2025 तक आयोजित ऑटो एक्सपो के दौरान वाहनों के लाईफ टाईम रोड टैक्स पर एकमुश्त 50 प्रतिशत की छूट दिए जाने का निर्णय लिया गया तथा प्रदेश के सभी डीलरों को इस सुविधा का लाभ वाहन क्रेताओं को दिलाने के निर्देश दिए गए हैं।
* छत्तीसगढ़ में खेलों के लिए सुदृढ़ वातावरण तैयार करने, खेल संस्कृति को बढ़ावा देने तथा राज्य के खिलाड़ियों के लिए सुदूर ग्रामीण अंचलों से लेकर जिला मुख्यालय में खेल हेतु आधारभूत संरचनाओं के निर्माण के लिए मंत्रिपरिषद की बैठक में छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना का अनुमोदन किया गया।
* इसके तहत छत्तीसगढ़ में खेल क्लब को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए संबंधित पंजीकृत समितियों को खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा। छत्तीसगढ़ पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित किया जाएगा। ओलम्पिक खेलों को ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बढ़ावा देने के साथ ही राज्य के खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने पर उनको शत-प्रतिशत यात्रा व्यय तथा खेल उपकरण की सुविधा देकर प्रोत्साहित किया जाएगा।
* खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित अतिशेष (सरप्लस) धान के निराकरण के संबंध में गहन विचार-विमर्श किया गया। कैबिनेट ने खरीफ सीजन में उपार्जित शतप्रतिशत धान की कस्टम मिलिंग उसी खरीफ सीजन में पूरा कर जमा कराने तथा इस साल के अतिशेष धान का चावल केन्द्रीय पूल के अंतर्गत भारतीय खाद्य निगम में सितम्बर 2025 तक उपार्जित किए जाने के लिए लक्ष्य वृद्धि हेतु प्रस्ताव धान खरीदी समाप्त होते ही भारत सरकार को पुनः भेजे जाने के संबंध में चर्चा की गई तथा अतिशेष धान का निराकरण नीलामी से करने की अनुमति दी गई है।
* खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में कस्टम मिलिंग हेतु फोर्टिफाईड राईस कर्नेल की व्यवस्था के संबंध में फोर्टिफाईड चावल जमा की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा एनईएमएल के माध्यम से दर का निर्धारण पश्चात् आपूर्ति प्रारंभ होने तक गत् खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 अनुसार मिलरों द्वारा एफआरके निर्माताओं से भारत सरकार द्वारा निर्धारित दर के अधीन फोर्टिफाईड राईस कर्नेल क्रय कर फोर्टिफाईड चावल जमा किये जाने की अनुमति दी गई है।
* खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान की कस्टम मिलिंग प्रोत्साहन राशि 80 रूपए करने का निर्णय लिया।
* खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में राईस मिलों को लंबित प्रोत्साहन राशि की प्रथम किश्त प्रदान किए जाने का निर्णय लिया गया।
* छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 (क्रमांक 1 सन् 1994) की धाराओं में संशोधन संबंधी छत्तीसगढ़ पंचायत राज (संशोधन) विधेयक, 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 (संशोधन) विधेयक 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।
* छत्तीसगढ़ नगर पालिक अधिनियम 1961 (संशोधन) विधेयक 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया. छत्तीसगढ़ माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2024 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

कांग्रेस पार्टी सर्वे के जरिये महापौर पद के प्रत्याशी का करेगी चयन

पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा- हमारी तैयारी है पूरी

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में निगम चुनाव की जल्द ही घोषणा होने वाली है। इस चुनाव में दमखम के साथ उतरने के लिए राजननीतिक दलों की तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। इसी कड़ी में आज कांग्रेस ने निकाय चुनाव को लेकर बैठक ली और प्रत्याशियों के चयन के मद्देनजर रणनीति तैयार की।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने बैठक के बाद कहा कि छत्तीसगढ़ में मेयर की टिकट देने से पहले कांग्रेस पार्टी सर्वे कराएगी। सर्वे के आधार पर ही प्रत्याशी का चयन किया जायेगा। हालांकि बैज ने ये भी कहा कि प्रत्याशी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी चर्चा की जायेगी।

दीपक बैज ने कहा कि निकाय चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से तैयार है। पूरी मजबूती के साथ प्रदेश में कांग्रेस पार्टी चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी।

इससे पूर्व दीपक बैज ने कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में कांग्रेस के जिला एवं शहर अध्यक्षों की बैठक ली। बैठक में आसन्न नगरीय निकाय चुनाव एवं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई और धान खरीदी में फैली अव्यवस्था तथा इस हेतु आंदोलन की रणनीति पर भी चर्चा हुई। प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस द्वारा चलाये जा रहे संविधान रक्षक कार्यक्रम एवं पिछले माह दिये गये कार्यक्रमों तथा मासिक बैठक की भी समीक्षा की।

बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने शीघ्र ही सभी निकायों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति के निर्देश दिए। उन्होंने जिला अध्यक्षों से कहा कि अपने क्षेत्र के नगर पंचायतो एवं पालिकाओं में पर्यवेक्षकों की नियुक्तियां कर दें, निगमों के लिये प्रदेश में शीघ्र प्रभारी नियुक्ति किया जायेगा। उन्होंने बूथ सेक्टर, जोन एवं ब्लॉक में खाली पदों पर शीघ्र नियुक्ति के निर्देश दिया।

एनआरडीए की अजीबो-गरीब शर्त

टेंडर प्रक्रिया में रायपुर के फर्म भी नहीं ले सकेंगे भाग

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। एनआरडीए के अधिकारियों का जवाब नहीं। अपनों को टेंडर दिलाने अपने हिसाब से नियम-कानून बनाए जा रहे हैं। कुछ दिनों पहले नवा रायपुर के सड़क किनारे पौधेरोपण के लिए प्राधिकरण ने ज्वाइंट वेंचर की अनुमति दी थी, वहीं अब अपनों को वाटरफ्रंट और गेस्ट हाउस बनाने का टेंडर देने अपने हिसाब से नियम बनाया है। शर्तों में एक बिंदु यह है कि 3 साल से नवा रायपुर में जिसका ऑफिस हो या जो सेवा दे रहा हो, वह ही टेंडर भर सकता है।

नया रायपुर डेवलपमेंट ऑथोरिटी ने 8 नवंबर 2024 को दो टेंडर निकाला, जिसमें दो जमीनों की दर अलग-अलग तय की गई। कम दर वाली जमीन को गेस्ट हाउस के लिए निर्धारित किया, इसके लिए 350 रूपए प्रति वर्ग फीट की कीमत तय की गई है। वहीं, वाटरफ्रंट बनाने के लिए 418 रूपए प्रति वर्ग फीट की कीमत निर्धारित है। गेस्ट हाउस का निर्माण 67 हजार वर्ग फीट पर किया जाएगा और वाटरफ्रंट लगभग 20 हजार वर्ग फीट जमीन पर किया जाना है। टेंडर की यह शर्त रखी गई है कि जो फर्म नया रायपुर में पिछले तीन साल से काम कर रही हैं, केवल वही मान्य होंगे। यानी रायपुर, या अन्य जिलों, या प्रदेश के बाहर की कोई फर्म यह काम नहीं कर सकती है। तो यह माना जा सकता है कि नवा रायपुर में काम कर रहे कोई करीबी को काम देने यह टेंडर जारी किया गया है।

दो हजार की जमीन 350-420 रूपए प्रति वर्ग फीट में

टेंडर में जमीन के रेट 350 और 420 रूपए प्रति वर्ग फीट तय की गई है। जबकि नवा रायपुर में जमीन की कीमत 1500 रूपए से लेकर दो हजार रूपए प्रति वर्ग फीट है। गेस्ट हाउस के लिए जमीन का रेट लगभग सवा दो करोड़ रूपए रखा गया है, जबकि रहवासी जमीन की कीमत इतने क्षेत्र की 9 करोड़ से अधिक की होगी।

बिलासपुर रेलवे जोन में नए महाप्रबंधक की नियुक्ति

नीनू इटियेरा की लेंगे जगह

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। रेलवे बोर्ड ने दक्षिणपूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर रेलवे जोन में नए महाप्रबंधक की नियुक्ति की है। आईआरएसईई अफसर तरूण प्रकाश को यह पद दी गया है। वे नीनू इटियेरा की जगह लेंगे। इसके अलावा, चार अन्य जोनल मैनेजर बदले गए हैं।

9 उपनिरीक्षकों को मिला पदोन्नति का तोहफा

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ ने 9 उपनिरीक्षकों को इंस्पेक्टर के पद पर पदोन्नत किया है। यह प्रमोशन 11 अक्टूबर 2024 को जारी की गई योग्यता सूची के आधार पर किया गया। प्रमोशन के बाद इन अधिकारियों को उनकी वर्तमान पदस्थापना पर ही कार्य करने का निर्देश दिया गया है। नई पदस्थापना के आदेश जल्द ही जारी किए जाएंगे।

रेप पीड़िता को रायपुर में गर्भपात कराने की मिली अनुमति

बलौदाबाजार,11 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने बलात्कार पीड़िता की गर्भपात की अनुमति दे दी है. अदालत ने बलौदाबाजार की 17 वर्षीय नाबालिग पीड़िता के 21 सप्ताह के गर्भ को समाप्त करने की याचिका को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज और डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय चिकित्सालय रायपुर में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में नाबालिग का गर्भपात कराया जाए। कोर्ट ने याचिका स्वीकार करते हुए कहा कि भ्रूण को रोके रखने से पीड़िता की शारीरिक और मानसिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ सकता है। न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी ने अपने आदेश में बताया कि मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता एनीमिया और सिकल सेल जैसी जटिल बीमारियों से ग्रसित है, जिससे गर्भपात के दौरान भी उसे जोखिम हो सकता है। अदालत ने अस्पताल की रिपोर्ट आने के बाद नाबालिग और उसके अभिभावक की सहमति से गर्भपात की अनुमति दी है. कोर्ट ने यह भी निर्देश दिए कि गर्भपात के बाद भ्रूण के ऊतक और रक्त के नमूने रखे जाएं, ताकि वे भविष्य में डीएनए टेस्ट के काम आ सकें।

गृहमंत्री के दौरे से पहले बस्तर

बीजापुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित जिलों में नक्सलियों का आतंक लगातार जारी है। इसी कड़ी में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के प्रस्तावित बस्तर दौरे से ठीक पहले नक्सलियों ने अपनी कायराना हरकत सामने आई है। दरअसल गंगालूर थाना क्षेत्र के मुनगा इलाके में नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के दो जवान घायल हो गए। घायल जवान मंगलू कुड़ियम और योगेश्वर शोरी को जिला अस्पताल बीजापुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

पांच हजार टीचर्स को निकालने की तैयारी शुरू

जल्द जारी होने वाला है आदेश

रायपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ के प्राइमरी स्कूलों में कार्यरत पांच हजार बीएड डिग्रीधारी शिक्षक अब कुछ ही दिनों में निकाले जाएंगे। राज्य सरकार ने सुप्रीमकोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले के बाद इन पांच हजार बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों की सूची को अंतिम रूप दे दिया है। जिसके बाद न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए इन्हें नौकरी से बाहर निकालने का आदेश जारी किया जाएगा।शिक्षकों को नौकरी से बाहर करने की तैयारी हुई पूरीदरसअल, प्राइमरी स्कूलों में पदस्थ बीएड डिग्रीधारी शिक्षकों को नौकरी से बाहर निकालने की तैयारी पूरी हो चुकी है। ये ऐसे शिक्षक हैं जो उच्च योग्यता प्राप्त हैं। लेकिन अब यही योग्यता इनकी बेरोजगारी का कारण बनने जा रहा है। शिक्षा विभाग ने प्राइमरी स्कूल, मिडिल, हाई और हायर सेकेंडरी स्कूल के लिए शिक्षकों की भर्ती को लेकर नियम बनाया है। जिसके तहत प्राइमरी स्कूल के लिए डीएलएड डिप्लोमाधारी और इससे ऊपर के क्लास वाले स्कूलों के लिए बीएड डिग्रीधारी युवाओं को शिक्षक पद के लिए योग्य माना गया है। राज्य शासन ने प्राइमरी स्कूल के लिए बीएड डिग्रीधारी युवाओं का चयन करने के साथ ही पदस्थापना आदेश भी जारी कर दिया। ये शिक्षक प्राइमरी स्कूलों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

व्यापारियों को धर्म गुरु ने आत्महत्या के लिए उकसाया

बिलासपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। गुरुद्वारा के सेवादार ने भूत-प्रेत का खौफ और स्टॉक मार्केट में मुनाफे का लालच देकर कई व्यापारियों और उनके बच्चों के साथ लाखों की धोखाधड़ी कर ली। अब बचने के लिए पीड़ितों को आत्महत्या करने की सलाह दे रहा है। पीड़ितों ने इसकी शिकायत सिविल लाइन थाने में की है। पुलिस जुर्म दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। चकरभाठा के रहने वाले व्यवसायी सुमित वलेचा ने बताया कि उसकी पत्नी को गुरुद्वारा का सेवादार दीपक केवलानी बहन कहता था। उस पर व्यापारी की पत्नी भरोसा करती थी। सेवादार ने उनकी पत्नी को परेशानी में होने की बात कहते हुए रुपये मांगे। महिला ने रुपये होने से इन्कार करते हुए अपने पास सोने के जेवर होने की बात कही। इस पर दीपक ने महिला से जेवर मांग लिए। साथ ही मैसेज को मोबाइल से डिलीट करने कहा। महिला मैसेज को डिलीट नहीं कर पाई थी। उसे पति ने देख लिया। जब उसने पूछताछ की तो सेवादार ने जल्द रुपये वापस करने का आश्वासन दिया। फिर वह जेवर लौटाने टालमटोल करने लगा। बाद में पैसे वापस करने की बात से ही मुकर गया।

देह व्यापार में लिप्त 5 महिला गिरफ्तार

बिलासपुर,11 दिसम्बर 2024 (ए)। शहर के शनिचरी बाजार, बृहस्पति बाजार और कोन्होर गार्डन के पास देह व्यापार में संलिप्त महिलाओं ने अपना ठिकाना बना लिया था। इसकी लगातार शिकायतें मिल रही थी। सोमवार की सुबह महिला थाने की टीम ने तीनों जगह पर पहुंचकर पांच महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया। महिलाओं के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है।महिला थाना प्रभारी भारती मरकाम ने बताया कि शहर के शनिचरी बाजार, बृहस्पति बाजार और कोन्हेर गार्डन के आसपास अवैध गतिविधियों में लिप्त महिलाओं के सक्रिय रहने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं।पूर्व में महिलाओं का थाने लाकर कार्रवाई की गई थी। इसके साथ ही उन्हें अवैध गतिविधियों से दूर रहने हिदायत दी गई थी। इसके बाद भी महिलाओं की हरकत में कोई सुधार नहीं आया। सोमवार की सुबह पुलिस की टीम ने शनिचरी बाजार, बृहस्पति बाजार और कोन्हेर गार्डन के पास दबिश देकर पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)